

वैश्विक उथल पुथल के बीच मोदी की कूटनीति मचा रही धमाल, पीएम ने नेतन्याहू से की बात

एजेंसी।
दिल्ली। प्रधानमंत्री मोदी ने आज इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू से फोन पर विस्तृत चर्चा की। यह बातचीत नववर्ष पर केवल औपचारिक शिष्टाचार नहीं थी बल्कि आतंकवाद के खिलाफ साझा संघर्ष और रणनीतिक सहयोग को मजबूत करने का स्पष्ट संकेत थी। अंतरराष्ट्रीय राजनीति इस समय तेज उथल पुथल के दौर से गुजर रही है और इसी हलचल के बीच भारत की कूटनीति पुरे आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ती दिखाई दे रही है। देखा जाये तो नई दिल्ली आज केवल प्रतिक्रियाएं देने वाली राजधानी नहीं रही बल्कि वैश्विक घटनाओं की दिशा को प्रभावित करने वाली शक्ति के रूप में उभर रही है। इस बदलते परिदृश्य में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सक्रिय कूटनीति भारत की विदेश नीति को नई धार दे रही है। इसी क्रम में प्रधानमंत्री मोदी ने आज इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू से फोन पर विस्तृत चर्चा की। यह बातचीत नववर्ष पर केवल औपचारिक शिष्टाचार नहीं थी बल्कि आतंकवाद के खिलाफ साझा संघर्ष और रणनीतिक सहयोग को मजबूत करने का स्पष्ट संकेत थी। दरअसल, पश्चिम एशिया इस समय गहरे तनाव में है। गाजा में हमास के खिलाफ इजराइल की सैन्य कार्रवाई जारी है और ईरान से जुड़ी अनिश्चितता पूरे क्षेत्र को अस्थिर बना रही है। ऐसे माहौल में मोदी और नेतन्याहू की बातचीत भारत की सजग और संतुलित विदेश नीति को रेखांकित करती है। यह वातां इस समय हुई है जब भारत और अमेरिका के रिश्तों में कई मुद्दों पर मतभेद सामने आ रहे हैं। इसके बावजूद भारत ने यह दिखाया है कि वह किसी एक शक्ति केंद्र पर निर्भर नहीं है। इजराइल से मजबूत संवाद यह संदेश देता है कि

भारत अपनी रणनीतिक स्वायत्तता को सर्वोपरि मानता है और अपने हितों के अनुरूप साझेदारियां गढ़ता है। रक्षा तकनीक, खुफिया सहयोग और आतंकवाद विरोधी रणनीति में भारत और इजराइल की नजदीकी लंबे समय से जानी जाती है और यह संवाद उसी निरंतरता का प्रमाण है। इसी बीच, भारत की कूटनीतिक गतिविधियां केवल पश्चिम एशिया तक सीमित नहीं हैं। अगले सप्ताह जर्मन चांसलर की भारत यात्रा प्रस्तावित है। यह यात्रा भारत और यूरोप के रिश्तों में एक और मजबूत कड़ी जोड़ेगी। हम आपको बता दें कि जर्मनी यूरोप की आर्थिक और राजनीतिक धुरी वैश्विक शक्ति संतुलन में एक अनिवार्य साझेदार बन चुकी है। व्यापार, तकनीक, जलवायु और रक्षा सहयोग जैसे मुद्दों पर जर्मन चांसलर की यह

यात्रा भारत के लिए नई संभावनाएं खोल सकती है। साथ ही विदेश मंत्री एस जयशंकर इस समय फ्रांस और लक्जमबर्ग की महत्वपूर्ण यात्रा पर हैं। यह दौरा भारत की बहुस्तरीय कूटनीति का सशक्त उदाहरण है। फ्रांस भारत का पुराना रणनीतिक साझेदार है जहां रक्षा और अंतरिक्ष सहयोग से लेकर हिंद प्रशांत क्षेत्र तक दोनों देशों के हित जुड़े हुए हैं। साथ ही लक्जमबर्ग जैसे छोटे लेकिन आर्थिक रूप से प्रभावशाली देश के साथ संर्घर्ष यह दिखाता है कि भारत केवल बड़ी शक्तियों तक सीमित नहीं बल्कि हर उस मंच पर अपनी उपस्थिति दर्ज करा रहा है जहां उसके दीर्घकालिक हित सुरक्षित हो सकते हैं। इन तमाम पहलुओं को एक साथ देखने पर स्पष्ट होता है कि भारत की विदेश नीति अब प्रतिक्रियात्मक नहीं बल्कि पूर्व नियोजित और आक्रामक हो चुकी है। मोदी की कूटनीति

का मूल मंत्र साफ है कि भारत अपने राष्ट्रीय हितों के साथ कोई समझौता नहीं करेगा और आतंकवाद के मुद्दे पर दोहरे मापदंड स्वीकार नहीं करेगा। इजराइल से संवाद हो या यूरोप के साथ साझेदारी, भारत हर मोर्चे पर अपने दृष्टिकोण को स्पष्ट और निर्भीक तरीके से रख रहा है। मोदी सरकार की यह सफलता इसलिए भी उल्लेखनीय है क्योंकि दुनिया इस समय ध्रुवीकरण की ओर बढ़ रही है। ऐसे दौर में संतुलन बनाए रखना आसान नहीं होता। फिर भी भारत ने यह दिखाया है कि वह अमेरिका, यूरोप, पश्चिम एशिया और ग्लोबल साउथ, सभी के साथ संवाद रखते हुए अपनी स्वतंत्र पहचान कायम रख सकता है।बहरहाल, यह कहा जा सकता है कि आज भारत की कूटनीति केवल बयानबाजी तक सीमित नहीं है। फोन पर हुई बातचीत, यात्राओं की श्रृंखला और निरंतर संवाद यह साबित करते हैं कि भारत वैश्विक मंच पर एक निर्णायक और भरोसेमंद शक्ति के रूप में स्थापित हो रहा है।

सुकमा में नक्सलवाद को बड़ा झटका, 65 लाख के इनामी 13 समेत 26 ने किया सरेंडर

एजेंसी।
दक्षिण छत्तीसगढ़। सुकमा के पुलिस अधीक्षक किरण चट्वाण ने बताया कि इस समूह में सात महिलाएं शामिल थीं, जिन्होंने वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों और केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के अधिकारियों के सामने आत्मसमर्पण कर दिया। दक्षिण छत्तीसगढ़ में नक्सल विरोधी अभियानों को बड़ी सफलता मिली है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि बुं तवार को सुकमा जिले में 26 नक्सलियों ने सुरक्षा बलों के समक्ष आत्मसमर्पण कर दिया, जिनमें से 13 पर कुल 65 लाख रुपये का इनाम था। यह आत्मसमर्पण राज्य सरकार की भूना मार्गों पहल के तहत हुआ, जिसका उद्देश्य सशस्त्र कार्यकर्ताओं को उग्रवाद से दूर करके सामाजिक पुनर्कीकरण की ओर मार्गदर्शन करना है। सुकमा के पुलिस अधीक्षक किरण चट्वाण ने बताया कि इस समूह में सात महिलाएं शामिल थीं, जिन्होंने वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों



और केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के अधिकारियों के सामने आत्मसमर्पण कर दिया। पुलिस के अनुसार, आत्मसमर्पण करने वाले कैडर प्रतिबद्धि नक्सली संगठन की विभिन्न इकाइयों से जुड़े थे, जिनमें पीपुल्स लिबरेशन गुरिल्ला आर्मी (पीएलजीए) शामिल हैं। प्रतिभागियों की पहचान, प्रलेखन, डिजिटलीकरण तथा इनके अकादमिक और शैक्षणिक महत्व पर विस्तृत व्याख्यान देंगे। इसके साथ ही कार्यक्रम का उद्देश्य संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह की धरोहर संरक्षण के प्रति संवेदनशील दृष्टि को और अधिक सुदृढ़ करना है, साथ ही विद्यार्थियों और शिक्षकों को अभिलेखीय एवं पांडुलिपि धरोहर से जोड़ते हुए इस क्षेत्र में उपलब्ध रोजगार, शोध और करिपर की संभावनाओं के प्रति जागरूक करना है।इस पांच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में 200 से अधिक प्रतिभागियों के शामिल होने की संभावना है, जिनमें विभिन्न शिक्षण संस्थानों के विद्यार्थी एवं शिक्षक प्रमुख रूप से भाग लें। कार्यशाला के दौरान रक्षा मंत्रालय के हिस्ट्री डिवीजन,

आंध्र ओडिशा बॉर्डर (एओबी) डिवीजन शामिल हैं। चट्वाण ने बताया वे छत्तीसगढ़ के अबूझमाद और सुकमा क्षेत्रों के साथ-साथ ओडिशा के सीमावर्ती इलाकों में हिंसा की कई घटनाओं में शामिल थे।" उन्होंने आगे कहा कि लंबे समय तक कठिनाइयों का सामना करने और संगठन के भीतर आंतरिक

असंतोष ने भी उनके आत्मसमर्पण के निर्णय में योगदान दिया। हथियार डालने वालों में सबसे प्रमुख लाली उर्फ धूम्रचाकी आर्यते लखमू (35) थी, जो कंपनी पार्टी कमेटी की सदस्य थी और उस पर 10 लाख रुपये का इनाम था। उस पर कई बड़े हमलों में शामिल होने का आरोप है, जिनमें 2017 में ओडिशा के कोरापुट रोड पर हुआ आईईडी विस्फोट भी शामिल है, जिसमें 14 सुरक्षाकर्मी शहीद हो गए थे। चार अन्य प्रमुख नक्सली कैडरों हेमला लखमा (41), आसमिता उर्फ धूम्रमलू सन्नी (20), रामबती उर्फ धूम्रदम जोगी (21) और सुंदरम पाले (20) पर 8 लाख रुपये का इनाम था। पुलिस ने बताया कि हेमला लखमा 2020 में सुकमा जिले के मिनपा में हुए हमले में शामिल थी, जिसमें 17 सुरक्षाकर्मी मारे गए थे। आत्मसमर्पण करने वाले कई अन्य कैडर भी सुरक्षा बलों और बुनियादी ढांचे को निशाना बनाकर की गई हिंसक घटनाओं से जुड़े थे।

संरक्षण, पुनरुद्धार और व्यापक प्रसार पर विशेष बल दिया जा रहा है। इस दृष्टि से यह आयोजन अत्यंत महत्वपूर्ण माना जा रहा है। क्योंकि यह युवाओं को भारत की लिखित सांस्कृतिक धरोहर से जोड़ने के साथ-साथ राष्ट्र की ज्ञान परंपरा को संरक्षित रखने में उनकी सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करता है।कार्यशाला का एक प्रमुख उद्देश्य युवाओं में अभिलेखीय और पांडुलिपि धरोहरों के संरक्षण के प्रति जिम्मेदारी की भावना विकसित करना है। इसके साथ ही प्रतिभागियों को अभिलेखागार, शोध संस्थानों, संरक्षण प्रयोगशालाओं और इससे जुड़े अन्य क्षेत्रों में उपलब्ध रोजगार, शोध एवं व्यावसायिक अवसरों की जानकारी दी जाएगी।

सीएम योगी कैबिनेट का मास्टरस्ट्रोक, आएका बंपर निवेश

संवाददाता।
लखनऊ। खन्ना ने कहा कि अमेरिका, यूरोप, जापान और ताइवान जैसे देशों में सेमीकंडक्टर विनिर्माण तेजी से बढ़ रहा है और योगी सरकार का लक्ष्य उत्तर प्रदेश को इस उभरते क्षेत्र के प्रमुख केंद्र के रूप में स्थापित करना है। इसे हासिल करने के लिए, मंत्रिमंडल ने बड़े निवेशकों के लिए मामले-दर-मामले के आधार पर विशेष प्रोत्साहनों को मंजूरी दी है। उच्च स्तरीय विनिर्माण को बढ़ावा देने और बड़े पैमाने पर रोजगार सृजित करने के उद्देश्य से मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में हुई उत्तर प्रदेश कैबिनेट ने मंगलवार को

सीएम योगी कैबिनेट ने कैबिनेट बैठक के बाद मीडिया को जानकारी देते हुए बताया कि कैबिनेट के सम्म 14 प्रस्ताव रखे गए थे, जिनमें से 13 को मंजूरी दी गई। खन्ना ने कहा कि अमेरिका, यूरोप, जापान और ताइवान जैसे देशों में सेमीकंडक्टर विनिर्माण तेजी से बढ़ रहा है और योगी सरकार का लक्ष्य उत्तर प्रदेश को इस उभरते क्षेत्र के प्रमुख केंद्र के रूप में स्थापित करना है। इसे हासिल करने के लिए, मंत्रिमंडल ने बड़े निवेशकों के लिए



एक महत्वपूर्ण प्रस्ताव को मंजूरी दी। राज्य सरकार ने 3,000 करोड़ रुपये या उससे अधिक के निवेश वाली सेमीकंडक्टर परियोजनाओं के लिए विशेष, मामले-दर-मामले प्रोत्साहन देने का निर्णय

लिया है। वित्त एवं संसदीय कार्य मंत्री सुरेश खन्ना ने कैबिनेट के फैसले पर निवेश आकर्षित करने के लिए

वोटर लिस्ट में धांधली को लेकर कांग्रेस सड़कों पर उतरी बैरिकेड तोड़कर किया जोरदार प्रदर्शन

एजेंसी।
असम कांग्रेस ने मसौदा मतदाता सूची में कथित अनियमितताओं के श्वेत चोरीश बताते हुए भाजपा सरकार और चुनाव आयोग के खिलाफ सड़कों पर प्रदर्शन किया। पार्टी ने इसे 2026 के चुनावों में धांधली की साजिश करार दिया, जबकि मुख्यमंत्री ने इसे मसौदे की सामान्य त्रुटियां बताया है। मतदाता सूचियों के विशेष संशोधन (एसआर) के बाद प्रकाशित मसौदा मतदाता सूचियों में कथित अनियमितताओं को लेकर कांग्रेस की असम इकाई ने चुनाव आयोग और भाजपा सरकार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया। इसमें असम प्रदेश महिला कांग्रेस (एपीएमसी) और असम प्रदेश युवा कांग्रेस (एपीवाईसी) के सैकड़ों कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने शामिल थे। मतदाता सूचियों में बड़े पैमाने पर अनियमितताओं का आरोप लगाते हुए और प्लोट

से कहा, "मतदाता सूची में अनियमितताएं भाजपा को असम में सत्ता में वापस लाने में मदद करने के लिए की



दिसंबर को प्रकाशित राज्य की एकैकृत मसौदा मतदाता सूची के अनुसार असम में मतदाताओं की संख्या में 1.35 की वृद्धि दर्ज की गई है। असम कांग्रेस की गुवाहाटी नगर समिति ने सचिवालय परिसर के पास धरना की प्रदर्शन आयोजित किया। असम प्रदेश कांग्रेस कमेटी (एपीसीसी) के महासचिव प्रद्युत भुयान ने पत्रकारों

जा रही हैं। चुनाव आयोग केवल भाजपा के लिए काम कर रहा है। वोट चोरों को सत्ता से हटना होगा। हम मुख्यमंत्री हिमंता बिसवा सरमा द्वारा वोट चोरी के माध्यम से सत्ता में वापसी के प्रयास की कड़ी निंदा करते हैं।" पुलिस ने विपक्षी

तमिलनाडु में छात्रों को मिला डबल गिफ्ट,लैपटाप के साथ अब बंपर नौकरियों का वादा

तमिलनाडु सरकार, उदयनिधि स्टालिन के नेतृत्व में, कौशल विकास को छात्र रोजगार से जोड़ने की एक सुनियोजित रणनीति पर काम कर रही है, जिसके तहत कौशल प्रतियोगिता और 100 से अधिक रोजगार मेलों का आयोजन किया जा रहा है। इंफोसिस और टाटा जैसी शीर्ष कंपनियों की भागीदारी और 1200 छात्रों को मिले रोजगार, इस पहल की प्रभावशीलता को दर्शाते हैं। तमिलनाडु के उपमुख्यमंत्री उदयनिधि स्टालिन ने बुधवार को तमिलनाडु कौशल प्रतियोगिता 2025 के विजेताओं को सम्मानित किया। इस कार्यक्रम के दौरान, उन्होंने कौशल विकास पहलों के माध्यम से छात्रों की रोजगार क्षमता बढ़ाने के लिए राज्य सरकार के प्रयासों पर प्रकाश डाला। अब तक 1200 छात्रों को रोजगार मिल चुका है, और सरकार जून तक 100 से अधिक रोजगार मेलों का आयोजन करने की योजना बना रही है, जिनमें इंफोसिस, टाटा और टीवीएस जैसी शीर्ष कंपनियां भाग लेंगी। ये कंपनियां भी छात्रों को कौशल प्रदान करने और उन्हें भर्ती करने के लिए आगे आती हैं। हमारे मुख्यमंत्री ने मुफ्त लैपटॉप योजना

की नई परियोजनाओं की आधारशिला रखी, 341.77 करोड़ रुपये की पूर्ण परियोजनाओं का उद्घाटन किया और 1045.41 करोड़ रुपये की सरकारी कल्याणकारी सहायता प्रदान की। विभिन्न सरकारी विभागों में कुल 1,773 करोड़ 68 लाख रुपये आवंटित किए गएय 1,773 करोड़ रुपये की नई परियोजनाओं का शुभारंभ किया गया और कल्याणकारी योजनाओं को लागू किया गया। मुख्यमंत्री ने कहा, भाजपा शासित राज्य एक अलग ही भारत है, जहां गरीबी, धार्मिक हिंसा, हत्याएं और बेरोजगारी व्याप्त हैं, जबकि भाजपा का भारत ही एकमात्र भारत है।

उत्तर प्रदेश में दिव्यांगजनों के सर्वांगीण पुनर्वासन हेतु नई पहलत रैखिक संस्थाओं को अनुदान उपलब्ध कराए जाएंगे लखनऊ, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश सरकार ने दिव्यांगजनों के सर्वांगीण पुनर्वासन को नई गति देने के लिए महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। सरकार का उद्देश्य है कि दिव्यांगजन शिक्षा, कौशल विकास, स्वास्थ्य सेवाओं और रोजगार के अवसरों में समान भागीदारी प्राप्त कर सकें और समाज की मुख्यधारा से जुड़ते हुए आत्मनिर्भर जीवन जी सकें। इसी लक्ष्य के तहत "दिव्यांगजन के सर्वांगीण पुनर्वासन हेतु रैखिक संस्थाओं को सहायता योजना" लागू की गई है। इस योजना के अंतर्गत पात्र रैखिक संस्थाओं को अनुदान प्रदान किया जाएगा, ताकि वे दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम, 2016 में परिभाषित 21 प्रकार की दिव्यांगताओं से प्रभावित बच्चों और युवाओं के लिए



मतदाता सूची से 2 करोड़ 90 लाख नाम काटे गए, यह देश का सबसे बड़ा वोट घोटाला-संजय सिंह

लखनऊ(आरएनएस),आम आदमी पार्टी के उत्तर प्रदेश प्रभारी और राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने उत्तर प्रदेश में मतदाता सूची पुनरीक्षण को लेकर चुनाव आयोग और भारतीय जनता पार्टी पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश में लोकतंत्र के साथ खुला खिलवाड़ किया गया है और सुनियोजित साजिश के तहत 2 करोड़ 90 लाख से अधिक मतदाताओं के नाम मतदाता सूची से जानबूझकर काट दिए गए हैं। संजय सिंह ने इसे देश के इतिहास का सबसे बड़ा “वोट घोटाला” करार देते हुए कहा कि यह कोई चुनाव सुधार नहीं, बल्कि गरीब, पिछड़े, दलित, अल्पसंख्यक और मजदूर वर्ग को मताधिकार से वंचित करने की साजिश है।संजय सिंह ने बताया कि दिसंबर माह में राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा जारी ग्रामीण मतदाता सूची में 12 करोड़ 70 लाख ग्रामीण मतदाता दर्ज थे, लेकिन 6 जनवरी को विशेष गहन पुनरीक्षण के बाद जो नई मतदाता सूची जारी की गई है, उसमें पूरे उत्तर प्रदेश के शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों को मिलाकर केवल 12 करोड़ 65 लाख मतदाता दिखाए गए हैं। उन्होंने सवाल उठाया कि जब दिसंबर में सिर्फ ग्रामीण

शहरों में काम करने गए हैं। सवाल यह है कि यदि वे वहां भी मतदाता नहीं हैं और उत्तर प्रदेश में भी उनका नाम काट दिया गया, तो उनका मताधिाकार आखिर गया कहां। क्या देश के करोड़ों प्रवासी मजदूर लोकतंत्र से बाहर कर दिए जाएंगे। उन्होंने इसे संविधान द्वारा दिए गए वोट के अधिकार पर सीधा हमला बताया।उन्होंने चुनाव आयोग के उस आदेश पर भी सवाल उठाए, जिसमें एक महीने के भीतर नाम जुड़वाने के लिए 13 तरह के दस्तावेज मांगे जा रहे हैं। संजय सिंह ने कहा कि और गरीब और कमजोर वर्ग अपने नाम दोबारा मतदाता सूची में न जुड़वा सके।संजय सिंह ने कहा कि पूरा विशेष गहन पुनरीक्षण असंवैधानिक है और चुनाव आयोग को ऐसा व्यापक पुनरीक्षण कराने का अधिकार ही नहीं है। उन्होंने सवाल उठाया कि एक ही प्रदेश के सरकारी कर्मचारियों ने पहले

विद्यालयों के आसपास यातायात सुधार को लेकर पुलिस कमिश्नरेट लखनऊसरज्ज, 10 जनवरी तक सभी स्कूलों को बनानी होगी कार्ययोजना

लखनऊ(आरएनएस)। पुलिस कमिश्नरेट लखनऊ में 7 जनवरी 2026 को विद्यालयों के आसपास यातायात व्यवस्था को सुव्यवस्थित और सुचारु बनाए जाने को लेकर एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। यह बैठक जनहित याचिका संख्या 3436९2020 गोमती रिवर बैंक रेजीडेंट्स वसामन उत्तर प्रदेश सरकार व अन्य में उच्च न्यायालय खंडपीठ लखनऊ द्वारा पारित आदेश के अनुपालन में की गई। बैठक की अध्यक्षता संयुक्त पुलिस आयुक्त, कानून एवं व्यवस्था, बबलू कुमार ने की।बैठक में विभिन्न विद्यालयों के प्रधानाचार्यों और प्रबंधकों द्वारा नियुक्त नोडल अधिकारी, अपर पुलिस उपायुक्त, समस्त सहायक पुलिस आयुक्त यातायात तथा अन्य यातायात से संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक का मुख्य उद्देश्य विद्यालयों के आसपास छात्रों की सुरक्षा को ध्यान में रखते

हुए यातायात व्यवस्था को बेहतर बनाना और स्कूल खुलने व बंद होने के समय होने वाली अव्यवस्था को समाप्त करना रहा।बैठक में स्पष्ट किया गया कि उच्च न्यायालय के निर्देशों के अनुरूप सभी विद्यालयों के नोडल अधिकारियों को अपने-अपने विद्यालयों के बाहर यातायात को सुचारु बनाए रखने के लिए प्रभावी कदम उठाने होंगे। जिन विद्यालयों द्वारा अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई है, उन्हें तत्काल एक विस्तृत कार्ययोजना तैयार कर उसके अनुरूप अमल सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं।यह भी निर्देशित किया गया कि प्रत्येक विद्यालय अनिवार्य रूप से एक यातायात नोडल अधिकारी नियुक्त करे, जो विद्यालय के खुलने और बंद होने के समय सहित पूरे विद्यालय अवधि में स्कूल के बाहर यातायात प्रबंधान के लिए उत्तरदायी होगा। विद्यालयों को अपने परिसर या

नगराम क्षेत्र में सरसों के खेत से मिला कंकाल, लापता महिला पूनम से जुड़ने की आशंका, पति पर हत्या का आरोप

लखनऊ(आरएनएस)। थाना नगराम क्षेत्र के ग्राम कुबेहरा में बुधवार सुबह उस समय हड़कंप मच गया, जब गांव के गोमती क्षेत्र स्थित एक सरसों के खेत में कंकाल पड़े होने की सूचना पुलिस को मिली। आज दिनांक 07 जनवरी, 2025 को सुबह करीब 10 बजे ग्राम कुबेहरा निवासी को चंद्रप्रकाश द्वारा दी गई सूचना पर थाना नगराम पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण किया।मौके पर पाया गया कंकाल क्षत-विक्षत अवस्था में था, जिससे प्रथम दृष्टया उसकी स्थिति स्पष्ट नहीं हो पा रही थी। हालांकि घटनास्थल के पास पड़ी एक साड़ी के आधार पर यह आशंका जताई जा रही

विकल्प खंड-02 स्थित रेस्टोरेंट में कार्यरत युवक ने फांसी लगाकर दी जान, पुलिस जांच में जुदी

लखनऊ(आरएनएस)। राजधानी के विकल्प खंड–02 क्षेत्र में स्थित बर्धिया रेस्टोरेंट में कार्यरत एक युवक द्वारा फांसी लगाकर आत्महत्या किए जाने से इलाके में सनसनी फैल गई। घटना की सूचना आज 07 जनवरी, 2026 की सुबह पुलिस को प्राप्त हुई, जिसके बाद पुलिस टीम तत्काल मौके पर पहुंची और आवश्यक कार्रवाई शुरू की गई।प्राप्त जानकारी के अनुसार मृतक की पहचान शिवम सिंह उम्र लगभग 27 वर्ष पुत्र करुणेश सिंह, निवासी दुलार नगर, चमन भववा, जनपद हरदोई के रूप में हुई है। बताया गया कि शिवम सिंह दीपावली के समय से उक्त रेस्टोरेंट में कार्यरत था और वही अन्य कर्मचारियों के साथ रह रहा था। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि युवक ने रात्रि के समय रेस्टोरेंट के बाथरूम में बेडशीट के सहारे फांसी लगा ली।सूचना पर उपनिरीक्षक विकास तिवारी पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे। घटनास्थल की गंभीरता को देखते हुए मौके की वीडियोग्राफी कराई गई तथा फॉरेंसिक टीम को भी सूचित किया गया। पुलिस ने शव को फंदे से नीचे उतरवाकर पोस्टमार्टम के लिए लोहिया अस्पताल की मेर्री भिजवाया।

फोन छीन लिया गया था, जिससे वह मानसिक रूप से क्षुब्ध थी



और इसके बाद कहीं चली गई थी।गुमशुदगी के प्रकरण में पुलिस द्वारा कॉल डिटेल के आधार पर गांव के एक व्यक्ति सहित अन्य संदिग्धों से भी पूछताछ की गई थी। अब सरसों के खेत से कंकाल मिलने के बाद मामले ने गंभीर रूप ले लिया है। मृतका के परिजनों ने पूनम की हत्या किए जाने की आशंका

कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है, ताकि मृत्यु के कारणों की पुष्टि की जा सके। थाना नगराम पुलिस कहने है कि प्रकरण की हर पहलू से गंभीरता और निष्पक्षता के साथ जांच की जा रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट और फॉरेंसिक साक्ष्यों के आधार पर आगे की विधि

गोमती नदी संरक्षण को लेकर संघर्ष कर रहे तिरंगा महाराज ने मुख्यमंत्री को संबोधित पत्र थाना प्रभारी हजरतगंज विक्रम सिंह को सौंपा गया

पर्यावरण संरक्षण और गोमती नदी पर हुए अवैध कब्जे को लेकर कई वर्षों से लड़ाई लड़ रहे हैं तिरंगा महाराज

विजडम इंडिया संवाददाता। लखनऊ हजरतगंज लखनऊ में थाना प्रभारी हजरतगंज से मिलकर क्रांतिकारी दीपक शुक्ला उर्फ तिरंगा महाराज ने माननीय मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को संबोधित एक प्रार्थना पत्र थाना हजरतगंज के थाना प्रभारी विक्रम सिंह को सौंपा। इस अवसर पर थाना परिसर में सौहार्दपूर्ण वातावरण में मुलाकात हुई, जिसमें जनहित से जुड़ी विभिन्न समस्याओं और सामाजिक विषयों पर विस्तार से सकारात्मक चर्चा की गई। थाना प्रभारी हजरतगंज विक्रम सिंह अपनी शांत, सहज, मिलनसार और ईमानदार कार्यशैली के लिए क्षेत्र में अलग पहचान रखते हैं। मुलाकात के दौरान उन्होंने तिरंगा महाराज द्वारा समाजहित में किए जा रहे कार्यों की सराहना करते हुए उनका मनोबल बढ़ाया। उन्होंने कहा कि समाज में सकारात्मक

बदलाव लाने के लिए ऐसे प्रयासों की आवश्यकता है और प्रशासन सदैव जनहित में कार्य करने वालों के साथ खड़ा है।थाना प्रभारी विक्रम सिंह ने तिरंगा महाराज को उनके सामाजिक और जनहितकारी कार्यों में हर प्रकार से कानूनी सहयोग प्रदान करने का आश्वासन दिया। उन्होंने स्पष्ट किया कि कानून के दायरे में रहते हुए सामाजिक कार्यों को आगे बढ़ाने में पुलिस प्रशासन पूरा सहयोग करेगा।इस दौरान तिरंगा महाराज ने माननीय मुख्यमंत्री को संबोधित प्रार्थना पत्र थाना प्रभारी को सौंपते हुए कहा कि यह पत्र जनसमस्याओं और समाज से जुड़े महत्वपूर्ण मुद्दों को लेकर दिया गया है, जिससे शासन स्तर पर उचित कार्रवाई सुनिश्चित हो सके। उन्होंने विश्वास जताया कि प्रशासन और समाज के संयुक्त प्रयास से समस्याओं का समाधान संभव है। मुलाकात के पश्चात आंदोलित क्रांतिकारी दीपक शुक्ला तिरंगा महाराज ने थाना प्रभारी विक्रम सिंह का हृदय से धन्यवाद एवं आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि थाना प्रभारी द्वारा दिए गए

सहयोग और समर्थन के आश्वासन से सामाजिक कार्यों को नई ऊर्जा और मजबूती मिलेगी। तिरंगा महाराज ने आगे भी जनहित में कार्य करते रहने का संकल्प दोहराया।



बटेश्वर में नाविक बने संस्कृति के संवाहक, स्टोरी टेलिंग और आपदा प्रबंधन से ग्रामीण पर्यटन को मिली नई दिशा

लखनऊ(आरएनएस)।रूपमुना तट पर बसे ऐतिहासिक–धार्मिक पर्यटन ग्राम बटेश्वर में ग्रामीण पर्यटन को नई पहचान देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल की गई। यहां स्थानीय नाविकों को पारंपरिक नाव संचालन की भूमिका से आगे बढ़ाते हुए स्टोरी टेलिंग से जोड़ा गया है, ताकि पर्यटकों को बाह–बटेश्वर की समृद्ध संस्कृति, इतिहास और आस्था से गहराई से परिचित कराया जा सके। इस पहल के तहत मान्यवर काशीराम पर्यटन प्रबंधन संस्थान, लखनऊ के सहयोग से एसडीआरएफ टीम द्वारा तीन दिवसीय विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जो 5 से 7 जनवरी तक चला।इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में नाविकों को आपदा प्रबंधन, आपात स्थितियों में प्राथमिक उपचार, सीपीआर तथा ऑनलाइन पेमेंट जैसी आधुनिक

सुविधाओं का व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया गया। इसका उद्देश्य पर्यटकों की सुरक्षा, सुविधा और अनुभव को बेहतर बनाते हुए स्थानीय समुदाय के लिए आजीविका के नए अवसर सृजित करना रहा।पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि बटेश्वर में ग्रामीण पर्यटन को सशक्त बनाना सरकार की प्राथमिकता है।नाविकों को स्टोरी टेलिंग, आपदा प्रबंधन और डिजिटल सुविधाओं से जोड़कर उन्हें केवल सेवा प्रदाता नहीं, बल्कि बटेश्वर की संस्कृति, इतिहास और आस्था का संवाहक बनाया जा रहा है। इससे पर्यटकों का अनुभव अधिक समृद्ध होगा और स्थानीय समुदाय को आर्थिक रूप से मजबूती मिलेगी।प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान मान्यवर काशीराम इंस्टीट्यूट, लखनऊ से जुड़े स्टोरी टेलर गौरव श्रीवास्तव ने नाविकों को बाह–बटेश्वर की धार्मिक, सांस्कृ

तिक और पर्यटन विरासत के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि किस तरह घाटों, नौका विहार और प्रमुख पर्यटन स्थलों से जुड़ी कहानियों के माध्यम से पर्यटकों से प्रभावी संवाद स्थापित किया जा सकता है। स्टोरी टेलिंग को पर्यटन अनुभव का अहम हिस्सा बताते हुए उन्होंने सैलानियों से शिष्टाचारपूर्ण व्यवहार पर भी विशेष जोर दिया। गौरव श्रीवास्तव ने जानकारी दी कि वर्ष 2024 से उत्तर प्रदेश पर्यटन द्वारा लगातार नाविकों को प्रशिक्षित किया जा रहा है और अब तक 2500 से अधिक लोगों को प्रशिक्षण दिया जा चुका है।एसडीआरएफ टीम ने आपात परिस्थितियों से निपटने के व्यावहारिक तरीके सिखाए, जबकि चिकित्सकों ने संकट की घड़ी में त्वरित प्राथमिक उपचार और सीपीआर की

जानकारी दी। इसके साथ ही ऑनलाइन पेमेंट जैसी आधुनिक व्यवस्थाओं का प्रशिक्षण देकर नाविकों को पर्यटन की बदलती आवश्यकताओं के अनुरूप तैयार किया गया। कार्यक्रम के समापन अवसर पर नाविकों की पहचान और एकरूपता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से टीशर्ट और सदरी का वितरण किया गया। अटल संकूल केंद्र, बटेश्वर में आयोजित इस तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में कुल 32 नाविकों को प्रशिक्षित किया गया।जयवीर सिंह ने कहा कि उत्तर प्रदेश में पर्यटन को केवल स्थलों तक सीमित न रखते हुए स्थानीय समुदायों की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित की जा रही है। नाविकों के निरंतर प्रशिक्षण से उन्हें कौशल, आत्मविश्वास और सामाजिक पहचान मिल रही है।

कच्चे मकानों में रहने वालों का पक्का घर का सपना होगा पूरा, प्रधानमंत्री आवास योजना में यूपी देश में अब्बल केशव प्रसाद मौय

लखनऊ(आरएनएस)। उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौय्य ने कहा है कि प्रदेश सरकार उन सभी लोगों का पक्का मकान पाने का सपना अवश्य पूरा करेगी, जो कच्चे मकानों में रह रहे हैं और ग्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) की पात्रता की श्रेणी में आते हैं। उन्होंने बताया कि निर्धारित गाड़इलाइन के अनुसार पात्र लाभार्थियों के चयन के लिए आवास प्लस सर्वेक्षणदृ2024 के अंतर्गत 58.84 लाख संभावित लाभार्थियों का डाटा कैप्चर किया गया है, जिनके सत्यापन की कार्यवाही लगातार प्रगति पर है।उप मुख्यमंत्री ने कहा कि ग्राम्य विकास विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के प्रभावी और पारदर्शी क्रियान्वयन के चलते उत्तर प्रदेश भारत सरकार के

परफॉर्मेंस इंडेक्स में अग्रणी राज्यों में शामिल हुआ है। राजमिस्त्री प्रशिक्षण, सोशल ऑडिट, एरिया ऑफिसर ऐप के माध्यम से निरीक्षण, आवास पूर्णता की गति, पात्र लाभार्थियों को पट्टे पर भूमि उपलब्ध कराना तथा दोनों स्थायी पात्रता सुविधों के संतुष्टिकरण जैसे मानकों पर प्रदेश ने देश में प्रथम स्थान प्राप्त किया है। उत्कृष्ट कार्य निष्पादन के लिए उत्तर प्रदेश को पिछले वर्षों में ग्रामीण विकास मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा कई राष्ट्रीय पुरस्कारों से भी सम्मानित किया गया है।उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) का उद्देश्य आवासहीन तथा कच्चे एवं जर्जर मकानों में निवास कर रहे ग्रामीण गरीब परिवारों को सुरक्षित, टिकाऊ और पक्का आवास उपलब्ध कराना है। योजना के तहत वर्ष 2028–29 तक सभी पात्र परिवारों को

आवास सुविधा से आच्छादित करने का लक्ष्य तय किया गया है। योजना के अंतर्गत प्रत्येक आवास की इकाई लागत 1 लाख 20 हजार रुपये निर्धारित है और निर्मित आवास का न्यूनतम क्षेत्रफल 25 वर्गमीटर रखा गया है। आवास में शौचालय निर्माण के लिए ६ ानराशि स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) के अंतर्गत पंचायती राज विभाग द्वारा उपलब्ध कराई जाती है। इसके साथ ही लाभार्थियों को महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना के तहत आवास निर्माण के लिए 90 मानव दिवस का रोजगार देने का भी प्रावधान है। योजना में केंद्र और राज्य सरकार 60रू40 के अनुपात में ६ ानराशि उपलब्ध कराती हैं।केशव प्रसाद मौय्य ने बताया कि वर्ष 2016–17 से 2024–25 तक ग्रामीण

विकास मंत्रालय द्वारा उत्तर प्रदेश को 36.56 लाख आवासों के निर्माण का लक्ष्य दिया गया था, जिसके सापेक्ष अब तक 36.37 लाख आवासों का निर्माण पूरा हो चुका है, जो 99.48 प्रतिशत है। शेष आवास निर्माणाधीन हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश में आवास आवंटन के लिए पूर्व में तैयार की गई स्थायी पात्रता सूची पूरी तरह संतृप्त हो चुकी है।उप मुख्यमंत्री ने कहा कि उनके निर्देशों के क्रम में प्रधानमंत्री आवास योजना–ग्रामीण और आवास योजना–ग्रामीण के अधिकांश लाभार्थियों को बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं। इनमें शौचालय, मनरेगा के तहत 90 दिन का रोजगार, निरुशुल्क गैस कनेक्शन, निरुशुल्क विद्युत कनेक्शन, आयुष्मान कार्ड जैसी सुविधाएं शामिल हैं।

चोपन खनन हादसे के पीड़ित परिवारों से मिले अखिलेश यादव, निष्पक्ष जांच और 50 लाख मुआवजे की मांग

लखनऊ(आरएनएस)। सोनभद्र जनपद के चोपन ब्लाक अंतर्गत कृष्णा माइनिंग वर्क्स में 15 नवंबर 2025 को हुए भीषण खनन हादसे में मृत श्रमिकों के परिजनों ने समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव से भेंट कर अपनी पीड़ा और समस्याएं रखीं। पठित परिवारों ने बताया कि हादसे के बाद सरकार से उन्हें अपेक्षित सहायता नहीं मिली और अब अधिकारी उन पर तरह–तरह का दबाव बना रहे हैं।पीड़ितों ने बताया कि यह हादसा उस समय हुआ था, जब मुख्यमंत्री घटना स्थल से मात्र आठ किलोमीटर दूर चोपन में आदिवासी गौरव दिवस के कार्यक्रम में मौजूद थे। इसके बावजूद सरकार की ओर से संवेदनशीलता और तत्परता नहीं दिखाई गई। परिजनों का आरोप है कि उत्तर प्रदेश सरकार के श्रम विभाग से उन्हें केवल 1 लाख 25 हजार रुपये की आर्थिक सहायता दी गई, जो इस बड़े हादसे और परितर्कों की स्थिति को देखते हुए बेहद अपर्याप्त है।अखिलेश यादव ने खनन हादसे में मृत श्रमिकों के आश्रितों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करते हुए पूरे प्रकरण की निष्पक्ष जांच की मांग की। उन्होंने कहा कि इस हादसे में जिन परिवारों ने अपने कमाऊ कमाऊ खोए हैं, उनके साथ न्याय होना चाहिए। अखिलेश यादव ने प्रति मृतक परिवार को 50 लाख रुपये की आर्थिक सहायता के साथ–साथ सभी आवश्यक सरकारी सुविधाएं उपलब्ध कराए जाने की मांग उठाई। उन्होंने कहा कि खनन माफिया और लापरवाह व्यवस्था की वजह से मजदूरों की जान जा रही है, लेकिन सरकार जिम्मेदारी लेने से बचाय साख मुंदे बेठी है।गौरतलब है कि चोपन ब्लाक के ग्राम चोपन, संतोष यादव, कृपा शंकर खरवार, राम खेलावन खरवार, राजू गोंड, रविंदर गोंड और गुलाब खरवार शामिल हैं। हादसे में जान गंवाने वाले पहले पांच श्रमिकों के परिजनों में पार्वती यादव, गायत्री यादव, सरस्वती खरवार, बघिया देवी, मीना देवी, शोमनाथ यादव, इंद्रावती देवी, सूरज नारायण, भगवान गोंड, प्रेम खरवार और गंगा गोंड अखिलेश यादव से भेंट करने पहुंचे।

लम्मुआ में घोषणा नहीं, धरातल पर काम दिखता है-सीताराम वर्मा

लम्मुआ (आरएनएस)। विधानसभा आज सिर्फ एक क्षेत्र नहीं, बल्कि विकास का मॉडल बनकर उभर रही है। बीते तीन वर्षों में यहाँ जिस तेजी से सड़क, बिजली, पानी, स्वास्थ्य, खेल और जनकल्याण के काम हुए हैं, उसने यह साफ कर दिया है कि जब नेतृत्व मजबूत हो, नीयत साफ हो और जनता के प्रति जवाबदेही हो, तो विकास अपने आप जमीन पर उतरता है।ग्रामीण स्टेडियम, ओपन जिम, हाईमास्ट लाइट, सोलर लाइट, नए थाने की स्थापना, तहसील में बार सभागार, मंदिरों का सौंदर्यीकरणकृये सब सिर्फ योजनाएँ नहीं, बल्कि उस सोच का परिणाम हैं जो लम्मुआ को पीछे नहीं, आगे



ले जाना चाहती है।जल जीवन मिशन के तहत 63 हजार से अधिक घरों में नल से जल पहुँचना, 17 हजार से अधिक नए बिजली कनेक्शन, सैकड़ों किलोमीटर लाइन का नवीनीकरण और उपक्कें

की क्षमता वृद्धिकृयह सब दर्शाता है कि यहाँ विकास सिर्फ कागजों में नहीं, घर-घर तक पहुँचा है। किसानों को सम्मान निधि, गरीबों को आवास, महिलाओं को पेंशन, वृद्धों को सहारा, दिव्यांगों को

सम्मानकृहर वर्ग के लिए कुछ न कुछ है। यही वजह है कि लम्मुआ आज भरोसे का दूसरा नाम बनता जा रहा है। जनप्रतिनिधि की सक्रियता और उपलब्धता की चर्चा सिर्फ क्षेत्र में ही नहीं, आसपास की विधानसभाओं में भी है। लोग अपनी समस्याएँ लेकर लम्मुआ पहुँचते हैं, क्योंकि उन्हें भरोसा है कि यहाँ सुना भी जाएगा और समाधान भी होगा। लम्मुआ आज उस राजनीति की मिसाल है जहाँ भाषण कम और काम ज्यादा है। जहाँ फोटो से ज्यादा फोकस फाइल और फील्ड पर है। और यही कारण है कि जनता के बीच संदेश साफ हैकूलम्मुआ में नेतृत्व काम करता है, सिर्फ वादा नहीं।

शिक्षिकाओं, रसोइयों और बच्चों से अभद्रता के आरोप में सहायक अध्यापक निलंबित

सुलतानपुर। जिले के भदैयाँ विकासखंड अंतर्गत प्राथमिक विद्यालय भरसारे में तैनात सहायक अध्यापक राघवेंद्र द्विवेदी को महिला शिक्षिकाओं, रसोइयों और बच्चों के साथ अभद्रता के गंभीर आरोपों के बाद निलंबित कर दिया गया है। यह कार्रवाई बेसिक शिक्षा अधिकारी (बीएसए) उद्रेण गुप्ता द्वारा अभिभावकों, विद्यालय प्रशासन और भाजपा मंडल अध्यक्ष की शिकायतों के आधार पर की गई है।खंड शिक्षा अधिकारी भदैयाँ के अनुसार, प्राथमिक विद्यालय भरसारे के लगभग 45 अभिभावकों, विद्यालय के प्रधानाध्यापक तथा भाजपा

मंडल अध्यक्ष राम मूर्ति वर्मा

सहित अन्य लोगों द्वारा आईजीआरएस पोर्टल के माध् यम से लगातार शिकायतें दर्ज कराई गई थीं। इन शिकायतों में सहायक अध्यापक राघवेंद्र द्विवेदी पर अभद्र भाषा का प्रयोग, महिला शिक्षिकाओं से गाली-गलौज और बच्चों के सामने उन्हें अपमानित करने जैसे गंभीर आरोप लगाए गए थे।स्थलीय जांच में सामने आए चौंकाने वाले तथ्यशिकायतों की गंभीरता को देखते हुए 11

दिसंबर 2025 को विद्यालय का स्थलीय निरीक्षण किया गया। जांच के दौरान विद्यालय की रसोइयाँ मनभावती, रेखा, सरोजा,

सरिता सहित लगभग 11 अभिभावकों से अलग-अलग पूछताछ की गई। सभी ने एक स्वर में राघवेंद्र द्विवेदी पर शिक्षिकाओं से अभद्रता करने, रसोइयों का शौल छूने तथा जातिवाचक शब्दों का प्रयोग करने की पुष्टि की।अभिभावकों ने यह भी स्पष्ट किया कि यदि राघवेंद्र द्विवेदी विद्यालय में बने रहे तो वे अपने बच्चों को स्कूल से निकालने के लिए मजबूर होंगे। जांच में यह भी सामने आया कि उनके कार्यभार ग्रहण करने के बाद से विद्यालय में गुटबाजी और तनाव का माहौल लगातार बढ़ता गया।जांच आख्या में

कठोर कार्रवाई की सिफारिशजांच आख्या में राघवेंद्र द्विवेदी को पदीय दायित्वों का निर्वहन न करने, शिक्षा का अधिकार अधि नियम का पालन न करने, विद्यालय की शिक्षा व्यवस्था प्रभावित करने तथा कर्मचारी नियमावली के प्रतिकूल आचरण का दोषी पाया गया। इसके आधार पर उनके विरुद्ध कठोर अनुशासनात्मक कार्रवाई की संस्तुति की गई।17 दिसंबर 2025 को उन्हें कारण बताओ नोटिस जारी किया गया था, जिसका जवाब उन्होंने 30 दिसंबर 2025 को दिया। हालाँकि, उनका स्पष्टीकरण अस्तोषजनक पाया गया।

प्रशासनिक अतिक्रमण हटाओ अभियान को पूर्ण समर्थन लेकिन भेदभाव न हो -रमेश माहेश्वरी

सुल्तानपुर(आरएनएस)। काउंसिल आफ उद्योग व्यापार मंच ने विगत दिवस अपनी कोर कमेटी की बैठक में सुल्तानपुर नगर क्षेत्र के सभी सम्मानित व्यापारियों से अपील की थी कि यदि उन्हें अपना व्यापार बचाना है तो स्वतः ही स्वयं के द्वारा किए गए अतिक्रमण को हटाना होगा व नगर पालिका से अनुरोध कर ठेले, रेहड़ी गुमटी वालो को वेंडिंग जोन में सख्ती के साथ पुनर्स्थापित करवाना होगा। प्रदेश प्रवक्ता रमेश महेश्वरी ने प्रशासन को धन्यवाद देते हुए यह निवेदन किया है कि अतिक्रमण हटाने में किसी भी प्रकार का भेदभाव ना किया जाये न ही राजनीतिक दबाव का ध्यान रखा जाए,साथ ही अपने व्यापारी भाइयों से भी अपील की वे अतिक्रमण हटाने में प्रशासन का सहयोग करें। किसी भी प्रकार की विपरीत स्थिति में काउंसिल आफ उद्योग व्यापार मंच व्यापारी बंधु का समर्थन नहीं कर पायेगा।



माझे से हुए जानलेवा हमले में याचिका स्वीकार

जौनपुर(आरएनएस)। अधिा वक्ता आशीष शुक्ला को प्रतिबन्धिात चाइनीज माझे से हुए जानलेवा हमले के मामले में न्याय की दिशा में महत्वपूर्ण सफलता मिली है। जिला एवं सत्र न्यायाधीश ने उनकी आपराधिक पुनरीक्षण याचिका को स्वीकार करते हुए प्रवेश दे दिया तथा मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट को उस आदेश के खिलाफ नोटीस जारी किया, जिसमें गंभीर अपराध की शिकायत को साधारण परिवाद मानकर पुलिस जांच से इनकार

कर दिया गया था। अब इस मामले की अगली सुनवाई 12 फरवरी को होगी। इस पूरे मामले में अधिवक्ता विकास तिवारी याचिकाकर्ता का पक्ष रख रहे हैं। ज्ञात हो कि घटना 13 जनवरी 2025 की है। अधिवक्ता आशीष शुक्ला अपने साथी अधिवक्ता शिवराज यादव उर्फ भैयालाल के साथ मोटरसाइकिल पर सवार होकर न्यायालय से अपने घर जा रहे थे। शस्त्री पुल के निकट पतंग उड़ा रहे अज्ञात व्यक्तियों द्वारा इस्तेमाल किए जा रहे

प्रतिबंधित चाइनीज माझे में दोनों फंस गए। माझे से शिवराज यादव के चेहरे और गर्दन पर गंभीर चोट आई, जबकि आशीष शुक्ला को भी चोटें पहुंची। अधिवक्ता द्वय को पतंग उड़ानें वाले प्रतिबन्धिात धागे में फंसा हुआ देख पतंग उड़ा रहे लोग तालियां बजाते और हंसते हुए घटना का मजा लेते रहे। दोनों अधिवक्ताओं का यश हॉस्पिटल में इलाज कराना पड़ा।पीछि तों में थाना लाइनबाजार में शिकायत दर्ज कराई, लेकिन पुलिस ने

प्राथमिकी दर्ज नहीं की। पुलिस अधीक्षक को आवेदन देने के बावजूद कोई कार्रवाई नहीं हुई। मजबूर होकर आशीष शुक्ला ने मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट के समक्ष अपने अधिवक्ता विकास तिवारी के माध्यम से आवेदन दाखिल किया, जिसमें प्राथमिकी दर्ज कर जांच की मांग की गई। लेकिन मजिस्ट्रेट ने इसे परिवाद मान लिया। इसके खिलाफ दाखिल पुनरीक्षण याचिका को अब सत्र न्यायालय ने स्वीकार कर लिया है।

शराब पीने के विवाद में मित्त की हत्या

जौनपुर(आरएनएस)। जफराबाद थाना क्षेत्र के माधोपट्टी गांव में बुधवार दोपहर शराब पीने को लेकर हुए विवाद में एक अ्ठेड़ की पीट-पीटकर हत्या कर दी गई। पुलिस ने मृतक के बेटे की शिकायत पर मामला दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है।बताते है कि 44 वर्षीय गुरु प्रसाद पुत्र मेवालाल अपने साथी ओमकार सिंह के साथ गांव में शराब पी रहे थे। इसी दौरान किसी बात पर दोनों के बीच विवाद हो गया। आरोप है कि ओमकार सिंह ने गुरु प्रसाद के सीने और पैर पर किसी कठोर वस्तु से हमला किया, जिससे उनकी हालत गंभीर हो गई। परिजनों को सूचना मिलने पर वे एम्बुलेंस की सहायता से गुरु



प्रसाद को जिला अस्पताल ले गए, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।त्रअपर पुलिस अधीक्षक आयुष श्रीवास्तव के अनुसार पुलिस को 112 नंबर पर सूचना मिली थी कि माधोपट्टी ग्राम कांतापुर में गुरुप्रसाद यादव

और ओमकार सिंह पुत्र सुरेंद्र सिंह शराब के नशे में झगड़ रहे हैं। सूचना मिलते ही जफराबाद थाना पुलिस टीम मौके पर पहुंची। पुलिस ने घायल गुरुप्रसाद यादव को 108 एम्बुलेंस की मदद से सदर अस्पताल पहुंचाया, जहां

उपचार के दौरान उनकी मृत्यु हो गई। पुलिस ने आरोपी ओमकार सिंह को हिरासत में ले लिया है। मृतक के शव को मॉर्चरी में रखवा दिया गया है और नियमानुसार आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

कूलर पार्स की दुकान में आग 15 लाख की दिकत

जौनपुर(आरएनएस)। शहर कोतवाली थाना क्षेत्र के बदलापुर पड़ाव स्थित जारा कूलर की दुकान में रात में विषम परिस्थितियों में आग लगने की सूचना पर जब दुकान के अधिष्ठाता सिराज सिद्दीकी मौके पर पहुंचे तब तक आग की लपटों से पूरी दुकान घिरी हुई पाई। उन्होंने तुरंत इसकी सूचना डायल 112 और फायर ब्रिगेड को दिया, फायर ब्रिगेड ने मौके पर पहुंचकर स्थानीय लोगों की मदद से राखी तब तक से आग पर काबू पाया लेकिन जब तक उनका सारा माल जल करके खाक हो चुका था। अपने सारे माल को किसी में तब्दील देखने के बाद दुकान के अधिष्ठाता सिराज सिद्दीकी का कहना है कि कल ही रात में आगामी सीजन के लिए उन्होंने लगभग 15 लाख रुपए का कूलर पार्स का सामान मंगवाया था।कुछ पैसे लोन लिए थे कुछ उधार सामान आया था,उक्त दुकान में रखवाया था रात में जब घर पर पहुंचे तो दुकान के अगल-बगल रहने वाले पड़ोसियों ने उनको सूचना दी कि उनकी दुकान में आग लग गई है उन्होंने यह भी बताया कि दुकान में स्थित कैश काउंटर में रखा हुआ लगभग ६एक लाख नगद भी जल करके खाक हो गया ।

स्टेशन का मुख्य प्रवेश द्वार बंद, यात्रियों को असुविधा

सुल्तानपुर(आरएनएस)। रेलवे स्टेशन पर अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत चल रहे निर्माण कार्य के चलते यात्रियों की मुश्किलें बढ़ गई हैं। कार्यदायी संस्था द्वारा स्टेशन का मुख्य प्रवेश द्वार अचानक बंद कर दिया गया है और टिनशेड व बल्लियों लगाकर रास्ता पूरी तरह अवरुद्ध कर दिया गया है। इसके कारण यात्रियों को अब एनआरएमयू संघ भवन के पास से रेलवे कॉलोनी के पीछे होकर बनावए गए एक वैकल्पिक मार्ग से स्टेशन तक जाना पड़ रहा है। यह नया मार्ग लगभग 300 मीटर लंबा है और बेहद

क्षतिग्रस्त हालत में है। जगह-जगह गड्ढे और टूटी सड़क के कारण पैदल चलना भी कठिन हो गया है। बाइक और अन्य छोटे वाहनों से गुजरना तो और भी जोखिम भरा साबित हो रहा है। वहीं जीआरपी और आरपीएफ थाने के सामने भी जेसीबी से खुदाई कर दी गई है, जिससे आवागमन और अधिक बाधित हो गया है। उत्तरीय रेलवे मजदूर यूनियन के शाखा अध्यक्ष आसिम सज्जाद ने इस फैसले पर कड़ा एतराज जताया है। उन्होंने कहा कि पिछले डेढ़ साल से स्टेशन पर निर्माण कार्य चल रहा है, लेकिन बिना किसी पूर्व सूचना के मुख्य द्वार

बंद कर देना यात्रियों के साथ-साथ कर्मचारियों के लिए भी परेशानी का कारण बन गया है। आसिम सज्जाद ने बताया कि वैकल्पिक मार्ग रेलवे कॉलोनी के पीछे कच्चे और खड्डंजे रास्ते से होकर गुजरता है, जिसकी हालत बेहद खराब है। इसी मार्ग पर एनआरएमयू, नॉर्दर्न रेलवे यूनियन और ओबीसी एसोसिएशन के कार्यालय भी स्थित हैं, जहां कर्मचारी अपनी समस्याओं के समाान के लिए आते-जाते रहते हैं। रास्ता खराब होने से अब उन्हें भी भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि आरक्षण केंद्र के पास नए

कार्यालय बनाने का आदेश पहले ही हो चुका है और निर्माण कार्य जारी है, लेकिन जब तक वह पूरा नहीं होता, तब तक पुराने मार्ग को बंद करना बिल्कुल उचित नहीं है। सज्जाद ने प्रशासन से अपील की कि 15 फरवरी तक चल रहे माघ मेले के दौरान यात्रियों की संख्या में भारी बढ़ोतरी होगी, ऐसे में ट्रिंकट लेने और स्टेशन तक पहुंचने में लोगों को और ज्यादा परेशानी डेलनी पड़ेगी। उन्होंने मांग की कि यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए इस वैकल्पिक मार्ग की व्यवस्था सुधारी जाए या मुख्य प्रवेश द्वार को अस्थायी रूप से खोला जाए।

सनातन की रक्षा के लिए सबको आगे आना होगा-स्वामी प्रखर महाराज

उत्तर प्रदेश में जब से योगी का राज आया तबसे हिंदू सर उठाकर बात कर रहा

सुल्तानपुर(आरएनएस)। शत गायत्री पुरस्चरण महायज्ञ आतंकवाद की समाप्ति संसार में धार्मिक उन्माद सब के सुख की समाप्ति को पुष्कर में

8मार्च से 19 अप्रैल तक आयोजन किया जा रहा है महायज्ञ को सफल बनाने को पूरे देश में स्वामी प्रखर भ्रमण कर रहे हैं। इसी क्रम में आर एस मॉल मे एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन बुधवार को शाम को संपन्न हुई सभा के अध् यक्षता डॉक्टर डी एस मिश्रा ने किया स्वामी प्रखर महाराज का स्वागत वरिष्ठ नेता पंडित राम शब्द मिश्रा मुख्य चिकित्सा अध्ीक्षक डॉक्टर आरके मिश्रा डॉक्टर जी सी पाठक सुभाष त्रिपाठी के द्वारा माल्यार्पण कर किया गया। हरिद्वार से प्फारेश्री प्रखर महाराज ने अपने उद्बोध्ान में कहा कि हिंदुओं को मारा जा रहा है यह जनता का विषय है आज उसका नंबर है कल हमारा नंबर आएगा बांग्लादेश में क्या हो रहा है देखिए सनातन धर्म को आगे आना होगा बांग्लादेश में अभी ब्राह्मण की हत्या हुई दुनिया के लोग शांत है यह घटनाक्रम नहीं है यह चिंता का विषय है और इसका उपाय सोचना पड़ेगा सुरक्षा का क्या उपाय हो सकता है नहीं अगर

हम सोचते हैं तो इसका दुष्परिणाम भोगना पड़ेगा। आज हम लोग उसका समाधान कैसे निकले आज हिंदू सनातनी कैसे बचे ब्राह्मणों की रक्षा

रहे हैं ब्राह्मणों के प्रयास से ही बदलाव आया है स्वयं को कष्ट में डालकर ब्राह्मण सबका कल्याण चाहता है जब परशुराम के माता

उनसे संपत्ति जीत करता है सजन राजाओं को बांट दिया परशुराम ने अपना पिनाक धनुष रावण को नहीं दिया पूरे विश्व में जब ध्यान



कैसे हो ब्राह्मण जो शक्तिशाली जाति रहा है उसके सामने सभी नस मस्तक होते थे। आज ब्राह्मणों की आवाज कोई सुनने वाला नहीं है हिंदुओंको मारा जा रहा है सनातनियों पर हमला हो रहा है इस पर आज हम लोग चिंता ही नहीं एक्शन लेने के लिए इकट्ठा हुए हैं हम लोग दुनिया को बदलना चाहते हैं ब्राह्मण जुग गया है ब्राह्मणों के द्वारा ही दुनिया बदली है। ब्राह्मण की महिमा का वर्णन कोई कर नहीं सकता यह दुनिया बहुत ही सुंदर है सुंदर दुनिया को लोग गंदा कर रहे हैं। मार्केट आतंकवाद के माध्यम से गंदा कर

की हत्या हुई तब वह विचलित हो गए यह तो अन्याय है उसके दमन की आवश्यकता है प्रतिज्ञा कर लिया उसे उदंड को दंड देने का समय आ गया है और अनेक वर्ष तक तप करते रहे उसे ताप का परिणाम उस ब्राह्मण बालक के अंदर में भगवान शंकर के पास जो भी ज्ञान विज्ञान तकनीक थी वह ब्राह्मण बालक के शरीर में प्रतिस्थापित हो गया। वही ब्राह्मण बालक आगे चलकर भगवान परशुराम कहलाया उन्होंने अपने बाहुबल से पूरे संसार में जहां-जहां उदंड राजा थे उन्हें दंडित करके

ब्राह्मण की महानता इसी में है कि बिना किसी स्वार्थ के सभी की सेवा करें संसार की खुशी से ब्राह्मण अपना खुशी मनाते हैं यही ब्राह्मण का डीएनए है यही ब्राह्मण की मानता है ब्राह्मण की शक्ति का कोई अंत नहीं है समाज के सभी लोगों के स्वस्थ रहने की सभी लोग निरोग रहें इस संसार में दुखी कोई ना आए यही ब्राह्मण की परिकल्पना है ब्राह्मण ऐसी शक्तिशाली जाति रहा है जिसके सामने भगवान भी नशमत तक होते रहे हैं।

कायस्थ मित्त मंडल का उद्देश्य समाज को जोड़ना धीरज

जौनपुर(आरएनएस)। नए वर्ष की उपलक्ष्य में कायस्थ मित्र मंडल के तत्वावधान में एक गेट टूगेदर पार्टी का आयोजन नगर के होटल में कायस्थ समाज के युवा नेता धीरज श्रीवास्तव और उनके सहयोगियों द्वारा आयोजित किया गया। कार्यक्रम से पूर्व भगवान श्री चित्रगुप्त जी की मूर्ति के समक्ष विधिवत के समाज के माध्यम से चित्रांश बंधुओ ने विधि विधान से आरती पूजन किया।इसके उपरांत लोगों ने एक दूसरे से परिचय प्राप्त किया। आयोजन में तमाम चित्रांश बंधुओं द्वारा अपनी सूक्ष्म प्रस्तुतियां भी प्रस्तुत की गई। आयोजक धीरज श्रीवास्तव ने कहा कि कायस्थ मित्र मंडल का उद्देश्य समाज को जोड़ना है ना कि तोड़ना। हम चाहते हैं कि सभी लोग

एक साथ मिलजुल कर एक दूसरे की उपलक्ष्य में कायस्थ मित्र मंडल के तत्वावधान में एक गेट टूगेदर पार्टी का आयोजन नगर के होटल में कायस्थ समाज के युवा नेता धीरज श्रीवास्तव और उनके सहयोगियों द्वारा आयोजित किया गया। कार्यक्रम से पूर्व भगवान श्री चित्रगुप्त जी की मूर्ति के समक्ष विधिवत के समाज के माध्यम से अपेक्षित सहयोग चाहते हैं। कहा कि इस तरह के आयोजन अब लगातार होते रहेंगे। जिसमें जनपद के सभी चित्रांश ऋुओ को आमंत्रित किया जाएगा। इस मौके पर जनपद के तमाम बुद्धिजीवी लोग कायस्थ समाज के विभिन्न संगठनों के लोग मौजूद रहे। डा इंद्रसेन श्रीवास्तव , नीलमणि श्रीवास्तव, राकेश श्रीवास्तव ,डॉ रवि प्रकाश श्रीवास्तव , आयोजक मण्डल के

मनीष श्रीवास्तव रिकू ,मनीष बेच्नूअनिल श्रीवास्तव बबलू



श्रीवास्तव बच्चा ,संदीप श्रीवास्तव ,नवनीत श्रीवास्तव मयंक नारायण सन्तोष श्रीवास्तव

सिपाह अमित श्रीवास्तव बड़े बाबू प्रमोद श्रीवास्तव दादा पंकज आदि मौजूद रहे।

ठंड से बढ़ गयी हैं पशुपालकों की मुसीबतें

जौनपुर(आरएनएस)। भीषण ठंड से न केवल आदमी बल्कि पशु पक्षी भी प्रभावित हो रहें हैं। ग्रामीण इलाकों में किसान अपने पालतू पशुओं को ठंड से बचाने के प्रयास में लगे हुए हैं। ठंड से बचाने के लिए वे अपने गाय-भैंस को पुराने कपड़ों और जूट के बोरे को सिमकर उन्हें सुबह शाम जब तक धूप नहीं निकलती हैं ओढ़ाकर रख रहे हैं हैं। पशुशालाओं में पशुओं को खाने पीने का कार्य पशु शेड के अन्दर ही बनी नालों में होता है लेकिन ग्रामीण इलाकों में कम पशुओं को पालने वाले किसान अक्सर जानवरों को छप्पर में रखते हैं और नाद बाहर खुले में ही होती है जिस कारण नाद में चारा खिलाते समय उन्हें बाहर निकालना उनकी मजबूरी होती है। ठंड के असर से दुधारू पशुओं की दूध देने की क्षमता घट गई है।जिससे किसानों को नुकसान उठाना पड़ रहा है ग्रामीण इलाकों में किसान पालतू जानवरों को ठंड से बचाने के लिए हरे चारे के साथ भूसा भी दे रहे हैं।चारा खाने के बाद चारों ओर से बन्द छप्पर के अन्दर कर दे रहे हैं।इस सम्बन्ध में विकास खंड मछलीशहर के गांव बामी के पुल्लू यादव कहते हैं कि दुधारू पशुओं को बचाने के साथ –साथ नवजात बच्चों को भी ठंड से बचाने का प्रयास करना चाहिये। ठंड से बचाने के लिए वह अपने पालतू जानवरों को सरसों का तेल और गुड़ देते हैं और सामान्य दिनों की तुलना में चारे के साथ अधिक दाना दे रहे हैं।

बाल विवाह न होने का शपथ दिलाया

जौनपुर(आरएनएस)। बाल विवाह मुक्त भारत अभियान के अन्तर्गत थाना-सरपतहा पर विवाह से सम्बन्धित पक्ष विधिक जागरूकता, जागरूकता हस्ताक्षर अभियान एवं शपथ का आयोजन किया गया। बैठक का उद्देश्य बाल विवाह के घटनाओं को रोकना, समुदाय स्थल पर शून्च सहनशीलता का वातावरण विकसित करना तथा कानूनों एवं योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन के माध्यम से बालिकाओं एवं बालकों के अधिकारों की पूर्ण सुरक्षा सुनिश्चित करना है।

वेनेजुएला संकटः अमेरिकी निरंकुशता और वैश्विक कानूनों का हनन

दरअसल, वैश्विक कूटनीति के जानकारों का मानना है कि वेनेजुएला के मामले में अमेरिका की असली चिंता न लोकतंत्र है और न ही मानवाधिकार, बल्कि वहां के विशाल तेल भंडार हैं। वेनेजुएला विश्व के सबसे बड़े तेल भंडारों में से एक पर बैठा देश है और ऊर्जा संसाधनों पर नियंत्रण की अमेरिकी भूख कोई नई बात नहीं है।वेनेजुएला पर अमेरिकी सैन्य कार्रवाई और राष्ट्रपति निकोलस मादुरो की गिरफ्तारी ने एक बार फिर यह प्रश्न खड़ा कर दिया है कि क्या अंतर्राष्ट्रीय व्यवस्था वास्तव में नियम—कानूनों से संचालित होती है या फिर ताकतवर राष्ट्रों की इच्छा ही वैश्विक न्याय का नया में आई है। वेनेजुएला पर मानदंड बन चुकी है। निश्चित तौर पर वेनेजुएला पर अमेरिकी हमला महाशक्तियों की निरंकुशता को दर्शा

सम्पादकीय

क्या रूसी लोग युद्धखोर हैं?

रूसी इतिहास में युद्ध सदियों से बार-बार की परिघटना है। अमेरिकी इतिहासकार प्रो. ग्रेगोरी कार्लटन ने अपनी पुस्तक शरशियारु द स्टोरी ऑफ वारश् (2017) में रूसी इतिहास का एक रोचक आकलन किया है। ज् ऐतिहासिक रूप से रूसियों के लिए युद्ध उन के अस्तित्व का सामान्य अंग रहा है। रूसी सैन्य अकादमी के प्रमुख रहे निकोलाई सुखोतिन ने उन्नीसवीं सदी के अंत में हिसाब लगाकर बताया था कि उस से पिछली पाँच सदियों में रूस का लगभग दो तिहाई समय युद्ध लड़ते बीता है। उस के बाद, आगे बीसवीं सदी का हिसाब तो ऊपर देख ही चुके हैं।

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने रूस—उक्रेन युद्ध के जल्द ही खत्म होने का दावा किया है। पर रूसी राष्ट्रपति पुतिन जल्दी में नहीं लगते। न ही उक्रेनी राष्ट्रपति जेलेन्स्की बहुत अधीर लगते हैं। इसीलिए कूटनीतिक बात—चीत में प्रगति जरूर हो रही है, पर ट्रंप का दावा अधिक विश्वसनीय नहीं लगता।

इसलिए भी, कि कुछ ही पहले ट्रंप ने रूसी राष्ट्रपति पुतिन को श्पागलच कहा था। क्योंकि उन्होंने फटाफट ट्रंप की बात मान उक्रेन से युद्ध खत्म नहीं किया। पर ट्रंप रूसियों का चरित्र नहीं जानते। वे रूस के इतिहास से भी अनजान लगते हैं। यह कुछ स्वाभाविक भी है। अमेरिकियों द्वारा युद्ध को अपवाद, असहज घटना सा लिया जाता है। संभवतः कारण यह भी हो कि संयुक्त राज्य अमेरिका ने कभी विदेशी कब्जा नहीं झेला है। द्वितीय विश्व युद्ध और वियतनाम, दोनों में मिलाकर भी कुल पाँच लाख अमेरिकी सैनिक मारे गये। लेकिन उसी से अमेरिकी काफी खिन्ना हुए थे। आज तक उस की मनोवैज्ञानिक स्मृति वहाँ की रचनाओं में आती रहती है।

परन्तु रूसी इतिहास में युद्ध सदियों से बार-बार की परिघटना है। अमेरिकी इतिहासकार प्रो. ग्रेगोरी कार्लटन ने अपनी पुस्तक शरशियारु द स्टोरी ऑफ वारश् (2017) में रूसी इतिहास का एक रोचक आकलन किया है। उस से पता चलता है अब तक रूसियों ने अनेक ऐसे युद्ध झेले जो मानो रूसियों को समूल खत्म कर देने लिए हुए थे। केवल द्वितीय विश्व युद्ध में ही 2 करोड़ से अधिक रूसी मारे गये थे, जबकि पूरे देश की आबादी 17 करोड़ थी।

हिटलर ने सचमुच रूसियों के खात्मे के लिए ही लेनिनग्राद पर घेरा डाला था। वह लेनिनग्राद पर कब्जा कर सकता था, परन्तु उस ने सितंबर 1941 से जनवरी 1944, ढाई साल तक, उस शानदार नगर की घेरेबंदी कर तमाम रूसियों को भूख से मार डालना तय किया था! उसे झेल कर तमाम रूसी लड़ते रहे। अंत में बर्लिन तक जाकर हिटलर को हराया। उस युद्ध के चार साल में रूस की संपूर्ण युवा पुरुष आबादी के तीन चौथाई से अधिक मारे गये!

वह रूस के लिए वैसा अपवाद युद्ध भी न था। उस से पहले प्रथम विश्व युद्ध, कम्युनिस्ट क्रांति, और गृह—युद्ध कृ यानी 1914 से 1921 के बीच कृ मात्र छरू—सात वर्ष में 1 करोड़ रूसी मारे गये थे। जबकि रूस की कुल आबादी मात्र 18 करोड़ थी। और पीछे जाएं, तो 1812 में नेपोलियन की महान सेना ने मारको को जलाकर राख कर दिया था। वह फ्रांसीसी सेना तब तक यूरोपीय इतिहास में सब से बड़ी थी! लेव टॉलस्टाय का कालजयी उपन्यास श्वार एंड पीसश् उसी पृष्ठभूमि पर लिखा हुआ है, जो विश्व का महानतम उपन्यास माना जाता है।

उस से पहले 13—15 वीं सदी में मंगोल और तताार हमलावरों ने रयाजान, सुजदल, मॉस्को, त्वेर, कीव, रोस्तोव, आदि कितने ही रूसी नगरों का पूर्ण विनाश कर दिया था! मंगोलों ने रूस पर दो सदियों तक, 15वीं सदी के अंतिम चरण तक शासन किया। अंतररु हारने के बाद भी मंगोल हमलावर क्रीमिया पर छापे मारते रहते थे। उन्होंने भी दो बार मारको को जला डाला था और 16वीं सदी तक रूसियों को गुलाम बनाकर सीरिया, फारस और तुर्की बाजारों में बेवा।

इसलिए, रूसी मानस में दोनेत्स्क, क्रीमिया, आदि केवल भौगोलिक क्षेत्र नहीं है। वह विदेशी हमलों, भयावह उत्पीड़न झेलने और लड़ने का ऐतिहासिक प्रतीक भी है। न केवल क्रीमिया रूस का ऐतिहासिक अंग है, बल्कि स्वयं उक्रेनी लोग भी श्छोटे रूसीच कहे जाते रहे हैं। पहले सदियों तक रूस का नाम ही श्कवी—रूसच था। पूरा उक्रेन ही रूस का अंग था। उसे सोवियत संघ का एक अलग प्रांत भी रूसी नेता लेनिन ने 1919 में बनाया। उस से पहले उक्रेन कभी रूस से अलग देश तो क्या, अलग प्रांत भी नहीं रहा था। अतरु रूस—उक्रेन युद्ध भाइयों की लड़ाई है। चाहे दोनों के चरित्र में अब काफी अंतर क्यों न आ गया हो।

अतरु, ऐतिहासिक रूप से रूसियों के लिए युद्ध उन के अस्तित्व का सामान्य अंग रहा है। रूसी सैन्य अकादमी के प्रमुख रहे निकोलाई सुखोतिन ने उन्नीसवीं सदी के अंत में हिसाब लगाकर बताया था कि उस से पिछली पाँच सदियों में रूस का लगभग दो तिहाई समय युद्ध लड़ते बीता है। उस के बाद, आगे बीसवीं सदी का हिसाब तो ऊपर देख ही चुके हैं। इसीलिए, रूसी समाज अपने सैनिकों और स्मारकों के प्रति जो विशेष और नियमित आदर स्थान रखता है, वह विश्व में अन्यत्र कहीं नहीं है। मॉस्को में विवाह के बाद नवविवाहित जोड़ा सब से पहले श्शनाम सैनिक के स्मारकच पर जाकर फूल चढ़ाता है। हिटलर पर जीत का दिन, 9 मई रूस में सब से बड़े राष्ट्रीय पर्व जैसा है, जिस में सभी रूसी समान श्रद्धा रखते हैं। ऐसा संभवतः दुनिया के किसी अर देश में नहीं है।

रूसी ऑर्थोडॉक्स चर्च ने अनेक रूसी योद्धाओं को संत की उपाधि दी है। इसलिए नहीं कि उन्होंने ऑर्थोडॉक्स चर्च को फौलाया या उस के मिशनरी थे, जैसा कैथोलिक चर्च परंपरा में है।

कि यह राष्ट्र अस्थिरता का अड्डा न बन जाये।अमेरिका और उसके राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप स्वयं को वैश्विक शांति का मसीहा घोषित करते नहीं थकते, लेकिन उनकी नीतियां और कार्रवाइयाँ बार-बार युद्ध, हस्तक्षेप और सत्ता परिवर्तन की मानसिकता को उजागर करती हैं। यह वही अमेरिका है जो एक ओर लोकतंत्र, मानवाधिाकार और संप्रभुता की दुहाई देता है, तो दूसरी ओर एक संप्रभु राष्ट्र पर आक्रमण और उसके राष्ट्रपति को गिरफ्तार करके अमेरिका ले जाना अंतर्राष्ट्रीय दादागिरी का दुर्लभ उदाहरण है। उससे ज्यादा दुर्भाग्यपूर्ण यह है कि ट्रंप ने ऐलान किया है कि सत्ता परिवर्तन होने तक वाशिंगटन इस लैटेंट अमेरिकी देश का संचालन करेगा। यह एक खतरनाक परंपरा है, जिसकी पुनरावृत्ति अमेरिकी महाद्वीप से बाहर होने की आशंका भी बलवती हो सकती है। इसमें दो राय नहीं कि निकोलस मादुरो के पतन के बाद वेनेजुएला में मिश्रित प्रतिक्रिया होगी। अंतर्राष्ट्रीय साजिशों से मादुरो को लगातार खलनायक बनाने की कोशिशों में एक वैश्विक तंत्र लगा हुआ था। इस तरह की दोहरी नीतियां केवल विडंबनापूर्ण नहीं, बल्कि



की अमेरिकी भूख कोई नई बात नहीं है। इराक, लीबिया और अफगानिस्तान इसके उदाहरण हैं, जहां 'लोकतंत्र स्थापना' के नाम पर हस्तक्षेप हुआ, लेकिन परिणामस्वरूप अस्थिरता, गृहयुद्ध और मानवीय संकट ही पैदा हुआ। ट्रंप का यह बयान कि मादुरो को पकड़ने के अभियान का खर्च वेनेजुएला के तेल राजस्व से वसूला जाएगा, इस पूरे घटनाक्रम की मंशा को बेनकाब करता है। यह कथन स्पष्ट करता है कि यह कार्रवाई न्याय या नैतिकता से नहीं, बल्कि संसाधनों पर नियंत्रण की साम्राज्यवादी सोच से प्रेरित है।

को। भारत जैसे देशों के लिये यह स्थिति अत्यंत संवेदनशील है, जहां ऊर्जा आयात पर निर्भरता अधिक है। यही कारण है कि भारत ने इस घटनाक्रम पर संतुलित रुख अपनाते हुए चिंता व्यक्त की है और दोनों पक्षों से संवाद व कूटनीतिक समाधान की वकालत की है। भारत का यह दुष्टिकोण न केवल व्यावहारिक है, बल्कि नैतिक रूप से भी अधिक जिम्मेदार है। युद्ध और हस्तक्षेप किसी भी समस्या का स्थायी समाान नहीं हो सकते। इतिहास साह है कि इराक और अफगानिस्तान में सैन्य हस्तक्षेप के बाद अमेरिका को अंततः अपमानजनक विदाई का सामना करना पड़ा, लेकिन वे देश आज भी स्थिरता और शांति से कोसों दूर हैं। युद्ध शुरू करना भले आसान हो, लेकिन शांति और सुशासन स्थापित करना अत्यंत कठिन होता है—यह सत्य अमेरिका बार-बार भूलता रहा है। ट्रंप प्रशासन की सबसे बड़ी विडंबना यही है कि वह स्वयं को शांति का अप्रदूत बताता है, लेकिन उसकी हर बड़ी विदेश नीति पहल टकराव और दबाव की राजनीति पर आधारित दिखती है। यह दोहरी मानसिकता न केवल अमेरिका की विश्वसनीयता को कमजोर करती है, बल्कि संयुक्त राष्ट्र और अंतर्राष्ट्रीय कानूनों की प्रासंगिकता पर भी प्रश्नचिह्न लगाती है। यदि शक्तिशाली राष्ट्र अपने हितों के अनुसार नियम तोड़ने लगे, तो वैश्विक व्यवस्था अराजकता की ओर बढ़ेगी। वेनेजुएला का संकट पूरी दुनिया के लिये एक चेतावनी है। यह बताता है कि आज भी शक्ति—राजनीति मानवता, शांति और कानून से ऊपर रखी जा रही है। जरूरत इस बात की है कि अंतर्राष्ट्रीय समुदाय एकजुट होकर इस तरह के एकतरफा हस्तक्षेपों का विरोध करे और संवाद, कूटनीति तथा बहुपक्षीय समाधान को प्राथमिकता दे। किसी भी देश में सत्ता परिवर्तन का निर्णय वहां की जनता को करना चाहिए, न कि विदेशी सेनाओं को। अंततः, अमेरिका को यह समझना होगा कि किसी 'निरंकुश शासक' को हटाना शायद सैन्य शक्ति से संभव हो जाए, लेकिन किसी देश को स्थायी शांति, स्थिरता और समृद्धि देना केवल लोकतांत्रिक और बर्मा से नहीं हो सकता। इसके लिये धैर्य, संवेदनशीलता और अंतर्राष्ट्रीय कानूनों के प्रति सम्मान आवश्यक है। यदि अमेरिका वास्तव में वैश्विक शांति का पक्षधर है,।

बांग्लादेश में हिंदुओं के उत्पीड़न पर आखिर खामोश क्यों हैं दुनिया के लोग?

नवंबर 2024 से जनवरी 2025 तक 76 हमले दर्ज हुए, जबकि अगस्त 2024 से अब तक 23 हिंदुओं की हत्या और 152 मंदिरों पर आक्रमण की खबरें हैं। वहीं, 2025 में राजबाड़ी जिले में अमृत मंडल और दीपू चंद्र दास जैसे हिंदू युवकों की पीट-पीटकर हत्या हुई, साथ ही घरों में आगजनी के मामले सामने आए।भारत के पड़ोसी बांग्लादेश में हिंदुओं पर उत्पीड़न एक लंबे अरसे से चली

आ रही समस्या है, जबकि उसके उदय में भारत सरकार की परेक्ष भूमिका रही है। कभी पूर्वी पाकिस्तान कहे जाने वाले बांग्लादेश में अक्सर इस्लामिक कट्टरता ब्रेक के बाद मुखर हो जाती है, जो राजनीतिक अस्थिरता के दौरान अमूमन तेज हो जाती है। यह भारत सहित अंतर्राष्ट्रीय चिंता का विषय है और दुनियाभर में अल्पसंख्यक समूह के उत्पीड़न

पर संयुक्त राष्ट्र संघ की फिलता का द्योतक है। हाल के दिनों में भारत और बांग्लादेश के कूटनीतिक सम्बन्धों पर भी इन बातों का साफ असर महसूस किया जा सकता है।यदि पुरानी बातें छोड़ भी दीं जाएं तो गत वर्ष यानी 2024 में शेख हसीना की सरकार गिरने के बाद से बांग्लादेश में हिंदू विरोधी हिंसा में पुनः उछाल आया है, जिसमें मंदिरों पर हमले, घरों में लूटपाट और हत्याएं शामिल हैं। इस पर समुदाय की महज खानापूर्ति वाली प्रतिक्रिया से वहां हिंदुओं पर संकट गहराता जा रहा है। इससे भारत में भी बांग्लादेश विरोधी उत्तेजना स्वाभाविक है।यदि हालिया घटनाओं पर नजर दौड़ाएं तो पता चलता है कि नवंबर 2024 से जनवरी 2025 तक 76 हमले दर्ज हुए, जिसमें अगस्त 2024 से अब तक 23 हिंदुओं की हत्या और 152 मंदिरों पर आक्रमण की खबरें हैं।

नेताओं की बदजुबानी का सभी तरफ असर

विनीत नारायण लोकतंत्र में असहमति आवश्यक है, लेकिन असंसदीय भाषा उसकी आत्मा को चोट पहुंचाती है। अगर हम एक मजबूत भारत चाहते हैं, तो राजनीतिक बयानों व भाषणों को सम्य बनाना होगा। नेता याद रखें कि वे जनता के सेवक हैं, न कि शासक। नागरिक, कार्यकर्ता और मीडिया सब मिलकर इस प्रवृत्ति को रोक सकते हैं। तभी हमारा लोकतंत्र सच्चे अर्थों में चमकेगा। भारतीय लोकतंत्र की मजबूती उसके नेताओं की गरिमा और संवाद की गुणवत्ता पर निर्भर करती है। लेकिन हाल के वर्षों में, राजनीतिक भाषणों व बयानों में अभद्र टिप्पणियां व असंसदीय भाषा, गाली-गलौज का बढ़ता प्रयोग एक गंभीर मुद्दा बन गया है। यह न केवल संसद और विधानसभाओं तक सीमित है, बल्कि चुनावी रैलियों मीडिया इंटरव्यू और सोशल मीडिया पर भी फैल चुका है। यह मुद्दा इतना संवेदनशील बन चुका है कि राजनीतिक दल चाहे कोई भी क्यों न हो उनके बिगड़े बोल, आम नागरिकों, पार्टी कार्यकर्ताओं और मीडिया पर एक नकारात्मक प्रभाव डालते हैं। साथ ही, महिलाओं विपक्षी दलों और पत्रकारों के प्रति नेताओं के दुर् व्यवहार भी आजकल चर्चा में है जो कि इन अमर्यादित नेताओं के सच्चे चरित्र को सामने लाता है। संसदीय परंपराओं में, असंसदीय भाषा वह होती है जो अपमानजनक, अभद्र या व्यक्तिगत हमला करने वाली होती है। भारतीय संसद में, स्पीकर अक्सर ऐसी भाषा को हटाने का आदेश देते हैं, लेकिन संसद के बाहर ऐसे बयानों पर किसी का कोई नियंत्रण नहीं होता। राजनीतिक नेता अक्सर विपक्षी नेताओं के श्वेचर, श्गद्धारच या इससे भी बदतर शब्दों से संबोधित करते हैं। चुनावी मौसम में यह और तीव्र हो जाता है, जहां व्यक्तिगत आरोप—प्रत्यारोप की जगह ले लेते हैं। गौरतलब है कि कुछ नेताओं की यह प्रवृत्ति नई नहीं है, लेकिन सोशल मीडिया के युग में यह वायरल होकर लाखों लोगों तक पहुंच जाती है, जिससे समाज पर इसका प्रभाव कई गुना बढ़ जाता है।

सदस्यों के खिलाफ ऐसी भाषा इस्तेमाल करता है (जैसे अस्तोषी सदस्यों को श्गद्धारच कहना), तो यह आंतरिक कलह को जन्म देता है। पार्टी कार्यकर्ता निराश सोचते हैं और उनका मनोबल गिरता है। लंबे समय में, यह दलों की एकजुटता को प्रभावित करता है और राजनीतिक स्थिरता को खतरे में डालता है। कार्यकर्ता सोचते हैं कि अगर नेता ही सम्मान नहीं रखते, तो वे क्यों रखें? इससे राजनीतिक संस्कृति में गिरावट आती है। वहीं मीडिया पर इसका प्रभाव सबसे अधिक चिंताजनक है। पत्रकारिता लोकतंत्र का चौथा स्तंभ है, जो नेताओं से सवाल पूछकर जवाबदेही सुनिश्चित करती है। लेकिन जब पत्रकारों तीखे सवाल पूछते हैं, तो कई नेता उन पर व्यक्तिगत हमला करते हैं या अभद्र व्यवहार करते हैं। उदाहरण के तौर पर, प्रेस कॉन्फ्रेंस में नेता पत्रकारों को श्पेड मीडियाच या श्दलालच कहकर अपमानित करते हैं। कभी—कभी यह शारीरिक धमकी नहीं। परिणामस्वरूप, मतदान छीनना या बाहर निकालना। इससे मीडिया की स्वतंत्रता पर खतरा मंडराता है। पत्रकार डर के मारे सवाल पूछने से हिचकिचाते हैं, जिससे जनता को सच्ची जानकारी नहीं मिलती। सोशल मीडिया पर नेता पत्रकारों के खिलाफ ट्रोल आर्मी को सक्रिय करते हैं, जो अभद्र टिप्पणियों से उन्हें परेशान करते हैं। यह न केवल मीडिया की द्रीय रिपोर्ट्स में भारत में पत्रकारों पर हमलों की संख्या बढ़ने का उल्लेख है, और असंसदीय भाषा इसका एक प्रमुख कारण है। भारतीय राजनीति में महिलाओं की भागीदारी बढ़ रही है, लेकिन उनके खिलाफ लिंगभेदी टिप्पणियां एक बड़ी समस्या हैं। नेता अक्सर महिला विपक्षी नेताओं की शारीरिक बनावट, पकड़ों या व्यक्तिगत जीवन पर अभद्र टिप्पणियां करते हैं। जैसे श्आइटमच या श्छांस करने वालीच जैसे शब्दों का प्रयोग। यह न केवल महिलाओं का अपमान है, बल्कि पूरे समाज में लिंग असमानता को बढ़ावा देता है। इससे महिला कार्यकर्ताओं

का मनोबल गिरता है और वे राजनीति में आने से हिचकिचाती हैं। विपक्षी दलों के प्रति भी ऐसी भाषा का प्रयोग आम है। नीतिगत मतभेदों की बजाय, नेता व्यक्तिगत हमलों में उलझ जाते हैं, जैसे परिवार को निशाना बनाना या जाति—धर्म पर टिप्पणियां। इससे राजनीतिक बहस का स्तर गिरता है और समाज में विभाजन बढ़ता है। पत्रकारों के साथ दुर्व्यवहार का जिक्र पहले हो चुका है, लेकिन महिलाओं पत्रकारों के साथ यह और गंभीर होता है, जहां लिंगभेदी टिप्पणियां जोड़ी जाती हैं। यह सब देखकर लगता है कि भारतीय राजनीति में सभ्यता की कमी एक बड़ी चुनौती है। लेकिन इसका समाधान क्या है? सबसे पहले, नेताओं को स्वयं अपनी भाषा पर नियंत्रण रखना चाहिए। संसद और विधानसभाओं में सख्त नियम लागू करने चाहिए और बाहर के मंचों पर भी नैतिक दिशानिर्देश। मीडिया को ऐसी भाषा को बढ़ावा न देकर, जिम्मेदारी से रिपोर्टिंग करनी चाहिए। नागरिकों को भी सोशल मीडिया पर ऐसी सामग्री को शेयर न करके, विरोध जताना चाहिए। राजनीतिक दलों को अपने कार्यकर्ताओं को प्रशिक्षित करना चाहिए कि बहस नीतियों पर हो, न कि व्यक्तिगत हमलों पर। महिलाओं के प्रति सम्मान बढ़ाने के लिए जेंडर सेसिटिइजेशन प्रोग्राम चलाए जा सकते हैं। पत्रकारों की सुरक्षा के लिए कानून सख्त किए जाएं। लोकतंत्र में असहमति आवश्यक है, लेकिन असंसदीय भाषा उसकी आत्मा को चोट पहुंचाती है। अगर हम एक मजबूत भारत चाहते हैं, तो राजनीतिक बयानों व भाषणों को सभ्य बनाना होगा। नेता याद रखें कि वे जनता के सेवक हैं, न कि शासक। नागरिक, कार्यकर्ता और मीडिया सब मिलकर इस प्रवृत्ति को रोक सकते हैं। तभी हमारा लोकतंत्र सच्चे अर्थों में चमकेगा।

आज का राशिफल

मे़ष राशि

आज का दिन खुशियों से भरा रहेगा। परिवार विशेषकर बच्चों से अच्छी खबर मिल सकती है। पढ़ाई और क्रािएटिव फील्ड से जुड़े लोगों के लिए समय अनुकूल है।

वृ़षभ राशि

आज का दिन करियर ग्रोथ के लिहाज से शानदार रहने वाला है। सरकारी या बड़ी संस्थाओं में काम करने वालों के प्रमोशन के योग बन रहे हैं।

मिथुन राशि

आज का दिन सामान्य रहेगा लेकिन पारिवारिक और व्यक्तिगत जीवन में संतुलन बनाए रखना आवश्यक होगा।

कर्क राशि

आज परिवार के साथ समय बिताने का अवसर मिलेगा। माता—पिता के साथ कहीं घूमने जाने का कार्यक्रम बन सकता है।

सिंह राशि

आज आपका आत्मविश्वास बढ़ेगा और रुके हुए काम आगे बढ़ेंगे। कारोबारी लोगों के लिए दिन लाभदायक है।

कन्या राशि

आज बिजनेस में कोई बड़ी डील मिलने की संभावना है, जिससे लाभ के अवसर बनेंगे। परिवार में तालमेल बेहतर रहेगा और कोई शुभ समाचार प्राप्त हो सकता है।

तुला राशि

आज आप नए काम और विचारों की ओर आकर्षित होंगे। अनावश्यक खर्चों पर नियंत्रण रखने की कोशिश करेंगे तो आने वाले समय में आर्थिक स्थिति और मजबूत होगी।

वृश्चिक राशि

आज का दिन दोस्तों और करीबी लोगों के साथ अच्छा बीतेगा। यदि किसी नए काम की शुरुआत कर रहे हैं तो बड़े—बुजुर्गों का आशीर्वाद लेना लाभदायक रहेगा।

धनु राशि

आज का दिन आपके लिए लाभदायक रहेगा। काम आपकी इच्छा के अनुसार पूरे होंगे। ऑफिस में आपके काम और आइडियाज की सराहना होगी।

मकर राशि

आज का दिन कामकाज में अच्छी प्रगति देने वाला रहेगा। आमदनी बढ़ने के संकेत हैं। यदि कोई महत्वपूर्ण काम आज पूरा करना चाहते हैं तो योजना बनाकर चलने से सफलता मिलेगी

कुंभ राशि

आज लंबे समय से अटके हुए कामों में सफलता मिलने की उम्मीद है। ऑफिस में जल्दबाजी से बचें और सोच—समझकर निर्णय लें।

मीन राशि

आज का दिन शानदार रहेगा। वैवाहिक जीवन में मधुरता बढ़ेगी और जीवनसाथी के साथ समय बिताने का मौका मिलेगा। किसी पुराने दोस्त से मुलाकात हो सकती है जिससे पुरानी यादें ताजा होंगी। धार्मिक कार्यों में मन लगा रहेगा।

अहरौला में राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम के तहत विशाल जागरूकता शिविर का आयोजन

आजमगढ़ (आर एन एस)राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम के अंतर्गत सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र अहरौला, पर मंगलवार को एक दिवसीय मानसिक स्वास्थ्य जागरूकता एवं उपचार शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि भारतीय जनता पार्टी के पूर्व जिलाध्यक्ष जयनाथ सिंह रहे, जिन्होंने फीता काटकर शिविर का शुभारंभ किया।शिविर के दौरान कुल 25 मानसिक रोगियों का मानसिक रोग विशेषज्ञ डॉ. सुमित कुमार द्वारा प्राथमिक उपचार एवं परामर्श किया गया तथा आवश्यक दवाओं का निशुल्क वितरण किया गया। वहीं जिले से आए चिकित्सक डॉ. संजीव कुमार ने परामर्श देते हुए लोगों से अपील की मानसिक रोगों को छिपाने के बजाय समय रहते डॉक्टर से सलाह लें, ताकि

उचित उपचार द्वारा रोग को गंभीर होने से रोका जा सके। इस अवसर पर मुख्य अतिथि जयनाथ सिंह ने कहा कि प्रदेश व केंद्र सरकार की मंशा के अनुरूप इस प्रकार के जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि केंद्र में भाजपा सरकार बनने के बाद स्वास्थ्य सहित विभिन्न क्षेत्रों में आमजन को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। आयुष्मान भारत योजना का उल्लेख करते हुए उन्होंने बताया कि इस योजना के अंतर्गत गरीब, असहाय व जरूरतमंद लोगों को छ लाख तक का निःशुल्क इलाज उपलब्ध कराया जा रहा है जिससे अब लोगों को इलाज के लिए अपनी जमीन या गहने गिरवी रखने की मजबूरी नहीं रही। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के अधीक्षक मोहनलाल ने बताया कि

शिविर का मुख्य उद्देश्य मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाना था, ताकि लोग समय रहते उपचार कराएं। उन्होंने बताया कि शिविर में 25 मानसिक रोगियों सहित कुल 403 मरीजों का उपचार एवं परामर्श किया गया। यह कार्यक्रम सुबह 11 बजे से प्रारंभ होकर शाम 3 बजे तक चला। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से रविंद्र सिंह उर्फ बबलू, प्रेम सागर मोदनवाल, लाल जोतराम (पूर्व जिला मंत्री), राजनाथ यादव, कुशल सिंह, श्लोक सिंह, मानसिक रोग काउंसलर डॉ. सौरभ कुमार , ओम प्रकाश चौरसिया, डॉ. सुनीता पांडे, सुनीता राजभर, हेमलता सहित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के समस्त चिकित्सक व कर्मचारी उपस्थित रहे।

थाना जहांगीराबाद पुलिस द्वारा इरम इस्टिट्यूट, जहांगीराबाद में साइबर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

बाराबंकी—पुलिस अधीक्षक बाराबंकी श्री अर्पित विजयवर्गीय के निर्देशन में थाना



जहांगीराबाद पुलिस द्वारा इरम इंस्टिट्यूट, जहांगीराबाद में “साइबर जागरूकता कार्यक्रम” का आयोजन किया गया।

महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा, सम्मान एवं स्वावलम्बन हेतु ”मिशन शक्तिफेज- 05“ के तहत पुलिस द्वारा किया गया जागरूक-

बाराबंकी –प्रदेश सरकार द्वारा महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा, सम्मान व स्वावलम्बन हेतु चलाये जा रहे “मिशन शक्ति फेज– 05” के दृष्टिगत पुलिस अधीक्षक बाराबंकी श्री अर्पित विजयवर्गीय के निर्देशन में बाराबंकी पुलिस के समस्त थानों में संचालित मिशन शक्ति केन्द्र की महिला अधिकारिी कर्मचारीगण द्वारा अपने– अपने क्षेत्रों में महिला सुरक्षा के संबंध में जागरूक कर उ0प्र0 शासन व उ0प्र0 पुलिस के स्तर से संचालित समस्त योजनाओं एवं प्रबन्धों की जानकारी दी गई। महिला हिंसा से सम्बन्धित तथा अन्य शिकायतों के निवारण हेतु 1. वीमेन पावर लाइन (112) 3. सीएम हेल्पलाइन नंबर (1076) 4. चाइल्ड हेल्पलाइन नंबर (1098) 5. वन स्टॉप सेंटर (181) 6. साइबर हेल्पलाइन नंबर (1930) 7. स्वास्थ्य सेवा हेल्पलाइन नंबर (102) 8. एम्बुलेन्स सेवा (108) 9. जनसुनवाई पोर्टल, स्थानीय थाने की हेल्प डेस्क, जिला संरक्षण अधिकारी, राष्ट्रीयस्वाज्य महिला आयोग, जनपद न्यायालय में स्थित जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सम्बन्ध में एवं साइबर अपराध के बारे में जागरूक किया गया।

25000 रुपये के इनामीया को गिरफ्तार करने वाले पुलिसकर्मी को पुलिस अधीक्षक ने किया पुरस्कृत

आजमगढ़ (आर एन एस)लूट, गैंगस्टर, गौकशी जैसे जघन्य अपराध करने वाले अपराधियों की गिरफ्तारी करने वाले पुलिसकर्मियों को किया सम्मानित, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक आजमगढ़ डॉ0 अनिल कुमार द्वारा जनपद में जघन्य अपराधों में संलिप्त व वांछित अपराधि यों की गिरफ्तारी करने वाले पुलिसकर्मियों को उनके अदम्य साहस, कर्तव्यनिष्ठा एवं उत्कृष्ट कार्य के लिए पुरस्कृत कर प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया।थाना जीयनपुर क्षेत्र अंतर्गत २25,000₹— के इनामिया अपराधी रईस पुत्र रियाजुद्दीन निवासी खालिसपुर, जो गैंगस्टर, गुण्डा, गौकशी, ठगी एवं हत्या जैसे गंभीर अपराधों में संलिप्त रहा है तथा जिसके विरुद्ध कुल 22 अभियोग पंजीकृत हैं, की गिरफ्तारी में का0 अवधेश कुमार एवं का0 अक्षय कुमार द्वारा अदम्य साहस का परिचय देते हुए अभियुक्त उपरोक्त को गिरफ्तार किया गया। उक्त सराहनीय कार्य के लिए दोनों आरक्षियों को वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक आजमगढ़ द्वारा पुरस्कृत कर सम्मानित करते हुए प्रशस्ति पत्र प्रदान किया गया। रईस पुत्र रियाजुद्दीन निवासी खालिसपुर थाना जीयनपुर जनपद आजमगढ़ इसी क्रम में थाना मुबारकपुर क्षेत्र के शातिर चोरभक्तबजनछट्ठा बृजेश कुमार उर्फ मलिक पुत्र निरंकरा निवासी गजहड़ा, दामोदरपुर, जिसके विरुद्ध गंभीर धाराओं में 09 अभियोग पंजीकृत हैं की गिरफ्तारी में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले उ0नि0 प्रमोद कुमार एवं का0 सर्वेश चौरसिया द्वारा अदम्य साहस का परिचय देते हुए अभियुक्त उपरोक्त को गिरफ्तार किया गया। उक्त सराहनीय कार्य के लिए उपरोक्त पुलिसकर्मियों को वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक आजमगढ़ द्वारा पुरस्कृत कर सम्मानित करते हुए प्रशस्ति पत्र प्रदान किया गया। बृजेश कुमार उर्फ मलिक पुत्र निरंकरा निवासी गजहड़ा , दामोदरपुर थाना मुबारकपुर जनपद आजमगढ़थाना जहानगंज क्षेत्र के गैंगस्टर, लूट, डकैती, हत्या के प्रयास, ठगी एवं अवैध असलहा जैसे अपराधों में संलिप्त अपराधी आकाश शर्मा उर्फ आर्यन पुत्र प्रहलाद शर्मा निवासी चौबेपुर मटियवना की गिरफ्तारी करने वाले का0 शिवम चौधरी को भी उनके साहसिक कार्य हेतु सम्मानित करते हुए वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक आजमगढ़ द्वारा प्रशस्ति प्रदान किया गया। आकाश शर्मा उर्फ आर्यन पुत्र प्रहलाद शर्मा साकिन चौबेपुर मटियवना थाना जहानगंज जनपद आजमगढ़इसके अतिरिक्त थाना जहानगंज अंतर्गत गैंगस्टर व शातिर शराब तस्कर वरुण कुमार साहनी पुत्र रामशोभित साहनी निवासी बरकसामा, थाना गोरौल, जिला वैशाली (बिहार), जो शातिराना अंदाज में एम्बुलेंस के माध्यम से नंबर प्लेट बदलकर अवैध शराब तस्करी कर रहा था।

गोवंश तस्करी मामले में पुलिस ने 02 आरोपियों को किया गिरफ्तार पहले चार जिन्दा गोवंश व एक पिकअप हो चुका है बरामद

आजमगढ़ (आर एन एस)थाना जीयनपुर पुलिस को सूचना प्राप्त हुई कि ग्राम पारनकुण्डा स्थित गौशाला से कुछ व्यक्ति गोवंश चोरी कर पीकअप वाहन पर लादकर जनपद मऊ के रास्ते बिहार ले जाने की फिराक में हैं। सूचना पर पुलिस द्वारा तत्काल कार्रवाई करते हुए गौशाला के पास घेराबंदी की गई। पुलिस को देखकर अभियुक्त अंधेरे का लाभ उठाकर फरार हो गए। मौके पर पीकअप वाहन संख्या न्च 60 ६ 3611 से 04 अदद जिन्दा गोवंश बरामद किए गए।

उक्त घटना के संबंध में थाना स्थानीय पर मु0अ0सं० 11२०26 धारा ३६5ए१8 गोवध निवारण अधि नियम, धारा 11 पशु क्रूता निवारण अधिनियम एवं धारा 303(2) बीएनएस के अंतर्गत अभियोग पंजीकृत किया गया।आज दिनांक 06.01.2026 को संदिग्ध व्यक्ति वाहन चेकिंग के दौरान थाना जीयनपुर पुलिस को मुखबर खास से सूचना प्राप्त हुई कि उक्त घटना में संलिप्त अभियुक्त मरौली मोड़ पर मौजूद हैं। सूचना पर त्तरित कार्रवाई करते हुए पुलिस टीम द्वारा समय लगभग 13रू10

बजे 02 अभियुक्तों को घेराबंदी कर गिरफ्तार किया गया। पूरनमल यादव पुत्र प्रेमशंकर यादव, निवासी कर्ममोता, थाना नारा, जनपद बलिया। (वाहन स्वामी) तेज प्रताप शाही उर्फ पप्पू पुत्र कल्पनाथ शाही, निवासी पारनकुण्डा, थाना जीयनपुर, जनपद आजमगढ़।(केयर टेकर) गिरफ्तार वाहन स्वामी एवं केयर टेकर ने बताया कि वह अपने साथियों के साथ मिलकर गोवंश पशुओं की चोरी कराकर

नव वर्ष में जिला पुस्तकालय को मिले उपहार

बाराबंकी। जिलाधिकारी श्री शशांक त्रिपाठी के लगातार प्रयास एवं पुस्तकालय की दिशा एवं दशा में बदलाव लाने की दृढ़ इच्छाशक्ति के फलस्वरूप राजकीय जिला पुस्तकालय बाराबंकी को आज 42 पाठको हेतु आरामदायक कुर्सी एवं मेज सी एस आर के माध्यम से उपलब्ध करवाई गई। राजकीय जिला पुस्तकालय के पाठको ने इसके लिए जिलाधिकारी का आभार व्यक्त किया ,उन्होंने कहा वे इस प्रयास के लिए जिलाधिकारी के सदैव ऋणी रहेंगे। इस अवसर पर पुस्तकालयाध्यक्ष डॉ पूनम सिंह ने संसाधन उपलब्ध करा कर जनपद के बच्चों को ज्ञान प्राप्त करने का सुअवसर प्रदान करने के लिए जिलाधिकारी के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित की ,और कहा कि द्वारा तैयारी कर रहे बच्चे इन सुविधाओं का लाभ उठाकर निश्चित ही अपनी मंजिल प्राप्त कर जनपद का गौरव बढ़ाएंगे और जिलाधिकारी की इस पहल और प्रयास का मान रखेंगे। पुस्तकालयाध्यक्ष ने राजकीय जिला पुस्तकालय बाराबंकी एवं पीएम श्री राजकीय बालिका विद्यालय

को कर्नल डॉ. मिथिलेश दीक्षित के सौजन्य से पुस्तकें भेंट करने



वाले जीआईसी एल्यूमनी व रोटरी क्लब बाराबंकी के प्रति भी कृ तज्ञता ज्ञापित की ,जिनके द्वारा प्रदत्त 144 पुस्तकों की सहायता से नीट, जेईई और यूपीएससी जैसी प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी से जुड़े छात्र छात्राएं लाभान्वित होंगे और ये किताबें छात्रों के लिए खास तौर पर मददगार होंगी। इस प्रशंसनीय पहल और जनपद में ज्ञान के

मिथिलेश दीक्षित,रोटरी अध्यक्ष डॉ. सुधीर वर्मा, आजीवन सदस्य अरविंद्र वर्मा, डॉ. प्रवीण कुमार, डॉ. धर्मेश श्रीवास्तव, संपन्न कुमार निगम, कमल जैन, गणेश चंद्र निगम, सुधांशु नारायण श्रीवास्तव, शरद राज सिंह सहित एल्यूमनी एसोसिएशन और रोटरी क्लब को उनके प्रयास के लिए जनपद आभार व्यक्त करता है।

मिशन शक्तिकेन्द्र द्वारा काउंसलिंग करने के परिणामस्वरूप 1 दम्पति को एक साथ रहने हेतु किया गया राजी-

बाराबंकी। पुलिस अधीक्षक बाराबंकी श्री अर्पित विजयवर्गीय के निर्देशन में मिशन शक्ति फेज 5.0 के तहत वैवाहिक विवादों का त्वरित निस्तारण करने हेतु थानों द्वारा प्रयास किया जा रहा है जिसके क्रम में— आज दिनांक— 07.01.2026 को पति—पत्नी के आपसी विवाद सम्बन्धी मामले में दोनों पक्षों के लोग उपस्थित आये। थाना रामसनेही घाट की मिशन शक्ति केन्द्र में नियुक्त कर्मियों द्वारा काउंसलिंग करने के परिणामस्वरूप दोनों पक्षों की समस्याओं को सुनते हुए 01 प्रार्थना पत्र में दोनों पक्षों को समझा कर आपसी सहमति से सुलह समझौता कराया गया।

उप जिला निर्वाचन अधिकारी ने मान्यता प्राप्त राजनैतिक दलों के प्रतिनियियों के साथ किया बैठक 11 जनवरी को मतदान स्थलों पर बी एल ओ पढ़ेंगे मतदाता सूची

आजमगढ़ (आर एन एस)नो—मैपिंग वाले मतदाताओं को निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों द्वारा जारी की जायेगी नोटिस— उप जिला निर्वाचन अधिकारी मान्यता प्राप्त राजनैतिक दलों के द्वारा नियुक्त बीएलओ की फार्म—6 बीएलओ के पास कर सकते हैं जमा— उप जिला निर्वाचन अधिकारी निर्वाचक नामावली 11 जनवरी को जनपद के समस्त मतदेय स्थलों पर बी०एल०ओ द्वारा पढ़ी जायेगी— उप जिला निर्वाचन अधिकारी अहं व्यक्तियों का नाम मतदाता सूची में शामिल कराने हेतु अधिक से अधिक संख्या में फार्म—6 भरवाने में करें सहयोग— उप जिला निर्वाचन अधिकारी जिलाधि काशेजिला निर्वाचन अधिकारी के मार्गदर्शन में अपर जिलाधिकारी प्रशासनच्छप जिला निर्वाचन अधिकारी श्री राहुल विश्वकर्मा की अध्यक्षता में आज कलेक्ट्रेट सभागार में मान्यता प्राप्त राजनैतिक दल के प्रतिनियियों के साथ बैठक आयोजित की गयी।अपर जिलाधिकारी प्रशासनच्छप जिला

निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि भारत निर्वाचन आयोग द्वारा अर्हता दिनांक—01 जनवरी 2026 के आाार पर विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण—2026 हेतु घोषित किये गये कार्यक्रम के अन्तर्गत जनपद मेंअवस्थित समस्त विधान सभा यथा 343—अत०रैलिया, 344—गोपालपुर, 345—सगडी, 346—मुबारकपुर, 347—आजमगढ़, 3 4 8 — ि न ज ा म ा बा द , 3 4 9 — फू ल पु र — प व ई , 350—दीदारागंज , 351—लालगंज (अंजा०) एवं 352—मंहनगर (अंजा०) की निर्वाचक नामावलियों का आलेख्य प्रकाशन संबंधित निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों द्वारा आज दिनांक 06 जनवरी 2025 को जनपद के समस्त मतदेय स्थल पर कर दिया गया है। उप जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार विधान सभा निर्वाचन क्षेत्र के निर्वाचक नामावलियों के विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण—2026 के अन्तर्गत दिनांक 06 जनवरी से 06 फरवरी 2026 तक दावे एवं आपत्तियां दर्ज की जायेंगी। 06 जनवरी से 27 फरवरी 2026 तक नोटिस चरण (जारी करना, सुनवाई और वरिफिकेशन) एन्यूमरेशन फॉर्म पर फैसला और दावे और आपत्तियों का निपटारा ईआरओ द्वारा एक साथ किया जाएगा। 03 मार्च 2026 को हेल्थ पैरामीटर्स की जांच और फाइनल पब्लिकेशन के लिए कमीशन की परमिशन ली जायेगी। उसके बाद दिनांक 06 मार्च 2026 को मतदाता सूची का अन्तिम प्रकाशन किया जायेगा। उन्होने बताया कि वर्तमान आलेख्य निर्वाचक नामावली में 17,19,537 पुरुष, 14,28,063 महिला एवं 52 अन्य इस प्रकार कुल 31,47,652 मतदाता है। विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण में घर—घर सर्वेक्षण के दौरान 102383 मतदाता मृतक पाये गये, 26369 मतदाता अन्य स्थानों पर स्थानांतरित (शिफटेड) पाये गये, 47984 मतदाता डुप्लीकेट पाये गये तथा 123984 मतदाता अनुपस्थित पाये गये है। उक्त के अतिरिक्त 158627 मतदाता नो मैपिंग श्रेणी के पाये गये, जिनको भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार निर्वाचक

दो फरवरी को मंडलीय पेंशन अदालत, 12 जनवरी तक भेजे वाद

चित्रकूट। वरिष्ठ कोषाधिकारी रमेश सिंह ने जानकारी देते हुए बताया कि आयुक्त चित्रकूटधाम मण्डल बांदा अजीत कुमार की अध् यक्षता में दो फरवरी को पूर्वाह्न 11 बजे से आयुक्त कार्यालय बांदा में मण्डलीय पेंशन अदालत आयोजित की जायेगी। जिसमें जनपद चित्रकूट, बांदा, हमीरपुर व महोबा के समस्त पेंशनरों के लम्बित सेवा नैयुक्तिक लाभों से सम्बन्धित वादों का निस्तारण किया जायेगा। जनपद चित्रकूट के समस्त राजकीय कार्यालयों एवं उप्र बैसेक शिक्षा परिषद के अन्तर्गत प्राईमरी एवं जूनियर हाई स्कूल के सेवानिवृत्त कर्मिकों, अध्यापकों व उनके आश्रितों के लम्बित सेवा नैवृत्तिक लाभों यथा पेंशन उपादान, पेंशन पुनरीक्षण आदि से ही सम्बन्धित वाद पत्र, प्रत्यावेदन निर्धारित प्रारूप में तीन प्रतियों में कार्यालय अपर निदेशक कोषागार एवं पेंशन चित्रकूटधाम मण्डल बांदा में पंजीत डाक या व्यक्तिगत रूप से 12 जनवरी को सायं चार बजे तक प्राप्त कराये जा सकते है। इस तिथि के बाद कोई भी प्रत्यावेदन स्वीकार नहीं किये जायेंगे प्रत्यावेदन की एक प्रति सम्बन्धित कार्यालयध्यक्ष को अनिवार्य रूप से प्राप्त कराते हुये प्राप्ति रसीद लें। न्यायालय में विचाराधीन प्रत्यावेदनों पर मण्डलीय पेंशन अदालत में कोई विचार नहीं किया जायेगा।

छह फरवरी तक प्रस्तुत करें दावा आपत्ति

चित्रकूट। निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी 236 चित्रकूट विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र उप जिलाधिकारी कवीं पूजा साहू ने चित्रकूट विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र के निर्वाचकगण को सूचित किया है कि फोटोयुक्त निर्वाचक नामावली निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण नियम 1960 के अनुसार तैयार की गई है उसकी एक प्रति कार्यालय के समय के दौरान उनके कार्यालय और मतदेय स्थलों, मतदान केंद्र पर निरीक्षण के लिए उपलब्ध है। निर्वाचक नामावली के तैयार किए जाने की अर्हता तारीख एक जनवरी 2026 है। यदि पूर्वाक्त अर्हक तारीखों के संदर्भ में नामावली में किसी नाम को सम्मिलित किए जाने के लिए कोई दावा या किसी नाम के सम्मिलित किए जाने के लिए कोई आक्षेप किया जाता है या किसी प्रविष्टि की प्रविष्टियों की बाबत कोई आक्षेप हो तो वह छह फरवरी या इससे पूर्व प्रारूप 6, 6 क 7 या 8 में जो समुचित हो उसे प्रारूप में दाखिल किया जाए।

सड़क दुर्घटना संबंधी प्रशिक्षण में दी गई योजना की जानकारी

चित्रकूट। सड़क दुर्घटना से सम्बन्धित प्रशिक्षण बैठक का आयोजन किया गया। जिसमें मुख्य चिकित्सा अधिकारी डा भूपेश द्विवेदी, नोडल अधिकारी आयुष्मान भारत डा एनके जतारया, चिकित्सा अधीक्षक पहाडी, शिवरामपुर, मानिकपुर, अमित श्रीवास्तव ई डार मैनेजर एनआईसी चित्रकूट, डीआईयू से दीपक गोस्वम, डा राजकमल, प्रशान्त श्रीवास्तव, संजीवनी चिकित्सालय से डा रोहित गुप्ता, आईएसए से डीपीसी विष्णुदत्त एवं चिकित्सालयों से आरोग्य मित्र मौजूद रहे।प्रशिक्षण में बताया गया कि योजना भारत सरकार के मिनिस्ट्री आफ रोड ट्रांसपोर्ट एण्ड हाईवेज द्वारा आरम्भ की गई है। जिसमें दुर्घटनाग्रस्त होने वाले मरीज चाहे वह भारत का नागरिक या विदेशी नागरिक हो को दुर्घटना से 24 घण्टे के भीतर नजदीकी चिकित्सालय में भर्ती कराया जाना अनिवार्य है। दुर्घटना होने के 24 घंटे बाद आने वाले मरीज इस योजना के पात्र नहीं होंगे। दुर्घटनाग्रस्त मरीज को पुलिस, राहगीर, परिजन, अन्य किसी के माध्यम से नजदीकी चिकित्सालय तक पहुंचाया जायेगा। जहां पुलिस विभाग द्वारा प्रस्तुत ई—डार आईडी के माध्यम से मरीज को अधिकतम सात दिन तक चिकित्सालय में भर्ती रखकर अधिकतम 1.50 लाख तक की सीमा तक निःशुल्क उपचार किया जायेगा। योजना अन्तर्गत प्रति व्यक्ति प्रति दुर्घटना 1.50 लाख तक की सीमा तक का प्राक्धान है। ई—डार आईडी निरस्त होने या दुर्घटना प्रमाणिक न होने पर मरीज तीन दिन स्वतः ही पोर्टल से डिस्चार्ज हो जायेगा।

हत्या का प्रयास करने के वांछित को किया गिरतार

चित्रकूट। प्रभारी निरीक्षक कोतवाली कवीं श्याम प्रताप पटेल ने बताया कि 18 दिसम्बर को पुरवा तरौंहा निवासी रानी वर्मा पत्नी नन्धू ने तहरीर दिया कि रमाकान्त उर्फ पिन्टू पुत्र राजकिशोर, पूनम देवी पत्नी रमाकान्त, विनय त्रिवेदी पुत्र राजकिशोर, सोम पुत्र रमाकान्त, राजकिशोर पुत्र राममुख निवासीगण अमानपुर एकराय होकर उसके पुत्र भोलू को अपने घर में बंधक बनाकर जान से मारने की नियत से गले में फंदा डालकर मारपीट व जाति सूचक शब्दो से अपमानित किया। इस सूचना पर पुलिस ने मामला दर्ज किया। चौकी प्रभारी सीतापुर यदुवीर सिंह ने मुखबिर की सूचना पर विनय त्रिवेदी पुत्र राजकिशोर त्रिवेदी निवासी पुरवा तरौंहा को बेड़ीपुलिया से गिरतार किया है। शेष हमलावरों की गिरतारी के प्रयास किये जा रहे हैं।

मानिकपुर विधानसभा की मतदाता सूची प्रकाशित

चित्रकूट। मऊ तहसील सभागार में 237 विधानसभा मानिकपुर की मतदाता सूची का आलेख मंगलवार को प्रकाशित किया गया। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार, मानिकपुर के सभी 436 बूथों पर यह प्रकाशन किया गया। यह कार्य विशेष गहन पुनरीक्षण एसआईआर के तहत जारी है। प्रकाशित आलेख मतदाता सूची के संबंध में दावे और आपत्तियां 6 जनवरी से 6 फरवरी तक प्राप्त की जाएंगी। इन पर 27 फरवरी तक अंतिम सुनवाई के बाद निस्तारण किया जाएगा। मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन 6 मार्च को किया जाएगा। इस अवसर पर उप जिलाधिकारी रामऋषि रमन, तहसीलदार मऊ रामसुधार, एसडीएम पूजा गुप्ता, अधिवक्ता संघ के सदस्य और क्षेत्रवासी मौजूद रहे।

स्याई लोक अदालत के सदस्य का कमरे में मिला शव

चित्रकूट। कवीं कोतवाली क्षेत्र के एसडीएम कालोनी में किराये के कमरे मे रहे स्याई लोक अदलात के मंबर का शव मिलने से हड़कंप मच गया। जानकारी होने पर पहुंची पुलिस ने दरवाजा तोड़ कर शव को किचन से बरामद कर पोस्टमार्टम के लिए मर्चरी भेजा है। घटना की जानकारी मृतक के परिजनों को लगी तो कोहराम मच गया। नागर क्षेत्राधिकारी ने बताया कि टंड लगने से मौत की संभावना है। पीएम रिपोर्ट के बाद ही स्पष्ट हो सकेगा।यह मामला मंगलवार की सुबह का है। मुख्यालय मे स्थाई लोक अदालत के मेम्बर उमेश चंद्र पांडेय (62) सोमवार को अपने ऑफिस आ रहे। जहां उनकी तबीयत ठीक न होने के चलते वह दोपहर बाद अपने एसडीएम कालोनी स्थित कमरे मे चले गये थे। जब वह सुबह अपने ऑफिस समय से फनी पहुंचे तो ऑफिस के कर्मचारियों ने फोन पर सम्पर्क किया पर फोन न उठने पर कर्मचारी उनके आवास गये। जहां उनका कमरा अंदर से बंद था। कमरे का दरवाजा न खुलने पर कर्मचारियों द्वारा 112 नंबर पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने कमरे का दरवाजा तोड़ अंदर गई तो उमेश चंद्र पांडेय का शव उनके किचन मे पड़ा। किचन। कमरे मे शव मिलने की सूचना से इलाके में हड़कंप मच गया। घटना की जानकारी मिलते ही अपर एसपी, सिटी डीओ, व शहर कोतवाल पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंच गये। जंहा शव को कब्जे मे लेते हुए पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए भेजा। मृतक उमेश चंद्र का परिवार लखनऊ मे रहता है। दो पुत्र, एक पुत्री है।

सड़क दुर्घटनाओं में लाएं ५०:कमी- जिलाधिकारी डीएम की अध्यक्षता में जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक आयोजित

प्रयागराज। जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक आज जिलाधिकारी, प्रयागराज की अध् यक्षता में सम्पन्न हुई। जनपद में सड़क दुर्घटना माह दिसम्बर, २०२४ में १४९ की तुलना में माह दिसम्बर, २०२५ में १३३ सड़क दुर्घटना हुई। जिसमें १० प्रतिशत की कमी परिलक्षित हुई है। आगामी माह में सड़क दुर्घटनाओं में ५० प्रतिशत कमी लाये जाने के निर्देश दिये गये।पिछली बैठक में अलोपीबाग पलाईओवर एवं पत्थर गिरजा घर के सामने (धरना स्थल) महाकुम्भ के दौरान रखे गये बोल्डर को हटाकर पैदल यात्रियों के खोले जाने हेतु निर्देशित किया गया था, जिसने परिस्थि में समिति की स्थलीय निरीक्षण आख्या दिनांक १२.१२.२०२५ के आधार

पर सम्बंधित विभागों से अनुमति के उपरान्त मेला अवधि व्यतीत हो जायें हो जायें के पश्चात पैदल यात्रियों के लिए खोले जायें सम्बंधी प्रमावी कार्यवाही की जाय। परिवहन विभाग व पुलिस विभाग यातायात को निर्देशित किया गया कि अपर जिलाधिाकारी (नगर) प्रयागराज से आवश्यक समन्वय स्थापित करते हुए जनपद में ई-रिक्षा के संचालन हेतु विस्तृत प्लान तैयार कर कलर कोडिंग करते हुए रूट निर्धारित कर चलाये जायें। सिविल लाइन्स एरिया में नो ई-रिक्षा जोन घोषित किये जायें सम्बंधी प्रमावी कार्यवाही की जाय। नो फ्यूल नो हेल्मेट के प्रमावी कियान्ययन हेतु परिवहन विभाग व पुलिस विभाग को निर्देश दिये

गये। जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक में श्रीमती हर्षिका सिंह, मुख्य विकास अधिकारी, प्रयागराज, सत्यम मिश्रा, अपर जिलाधिकारी (नगर), प्रयागराज, विनोद कुमार, नगर मजिस्ट्रेट, प्रयागराज सहित अधिशासी अभियन्ता ६ सचिव ६ सदस्य, जिला सड़क सुरक्षा समिति, प्रान्तीय खण्ड, लो०नि०वि०, प्रयागराज, पीडब्ल्यूडी, ट्रैफिक, पुलिस के अधिकारियों के साथ ही रघुनाथ द्विवेदी, उपाध्यक्ष टैम्पो टैक्सी यूनियन, प्रयागराज, विनोद चन्द्र दुबे, अध्यक्ष एवं रमाकान्त रावत, महामंत्री, टैम्पो टैक्सी यूनियन एवं अन्य उपस्थित अधिाकारीगण व यूनियन के पदाधिाकारीगण।

नाटक समारोह के दूसरे दिन बेटी वियोग का भावपूर्ण मंचन

प्रयागराज। साइंटिफिक एंपाकरमेंट एंड डेवलपमेंट सोसाइटी के नाट्य समारोह के दूसरे दिन नाटक बेटी वियोग का भावपूर्ण मंचन हुआ। मुख्य अतिथि शिवकुमार राय, विशिष्ट अतिथि दीपक शर्मा, विचल द्विवेदी, उपाध्यक्ष चित्रकार रवीन्द्र कुशवाहा ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। अतिथियों को सचिव सुशील राय ने अंगवस्त्र सम्मान पत्र एवं स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। बलिया से आए संकल्प सामाजिक एवं सांस्कृ

तिक संस्था के रंगकर्मीयों ने अपने सशक्त अभिनय से दर्शकों को जब चाहा हंसाया तो जब चाहा रूला दिया। उत्तर मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र प्रयागराज में आशीष त्रिवेदी के निर्देशन में महान लोक कलाकार भिखारी ठाकुर की अमर कृति बेटी वियोग का मंचन किया। बेटी वियोग उस दौर की कथा है जिस दौर में पूर्वी उत्तर प्रदेश और बिहार अभिनय की हर तरफ तारीफ हो रही है।

में १० साल १२ साल की लड़कियों की शादी ५० से ६० साल तक के आदमियों से हो जाती थी। इस कुप्रथा की वजह से लड़कियों की ज़िंदगी बर्बाद हो जाती थी। इसे रोकने के लिए अंग्रेजों ने शारदा एक्ट लाया लेकिन उसका प्रभाव समाज पर नहीं पड़ा।

कार्यक्रम की प्रथम प्रस्तुति हंसगीत नाटक के मुख्य किरदार शिव गुप्ता के शानदार अभिनय की हर तरफ तारीफ हो रही है।

खेती पर जलवायु परिवर्तन के प्रभाव से निपटने के बताए गए तरीके -जागरूकता बैठक कर ग्रामीणों को दी गई जानकारी

चित्रकूट। विकास पथ सेवा संस्थान की ओर से मुकुंदपुर गांव में महिला किसानों के साथ ि आधारित जलवायु परिवर्तन को लेकर जागरूकता बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में जलवायु परिवर्तन के प्रभावों से निपटने के लिए प्रा.तिक खेती, कम लागत वाली फसलों एवं आधुनिक सिंचाई तकनीकों पर विस्तार से चर्चा की गई।कार्यक्रम में सामाजिक कार्यकर्ता डॉ. प्रभाकर सिंह ने महिला किसानों को प्रा.तिक खेती की विधियों, जैविक कीटनाशकों के उपयोग तथा उनके लाभों की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि प्राकृतिक

एवं जैविक खेती से जहां उत्पादन लागत कम होती है वहीं पर्यावरण संरक्षण के साथ किसानों की आमदनी में भी वृद्धि होती है। डॉ. सिंह ने बताया कि रबी फसलों में ड्रिप व स्प्रिंकलर सिंचाई को अपनाकर जल संरक्षण किया जा सकता है। साथ ही सरकार की योजनाओं जैसे सोलर पंप, सोलर रूफटॉप आदि का लाभ लेकर किसान जलवायु परिवर्तन के दुष्प्रभावों को कम करने में योगदान दे सकते हैं। उन्होंने यह भी आश्वासन दिया कि इच्छुक किसानों को संस्थान की ओर से आवश्यकता आधारित प्रशिक्षण उपलब्ध कराया

जाएगा। बैठक में किचन गार्डन के महत्व पर भी प्रकाश डाला गया। बताया गया कि घर में सब्जियों का उत्पादन कर परिवार को पीछ्टिक आहार मिल सकता है वहीं अतिरिक्त उत्पादन को बेचकर या पड़ोसियों को देकर आय का साधन भी बनाया जा सकता है। इस अवसर पर विकास पथ सेवा संस्थान के पदाधिकारी डॉ. विकास सिंह, प्रमोद कुमार पटेल सहित अन्य लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में हेल्थ एंड न्यूट्रिशन सपोर्ट प्रोग्राम के तहत प्रतिभागियों को फ्रूट जूस का वितरण किया गया।

मरीजो को सही इलाज व परामर्श दें चिकित्सक : सीएमओ -संयुक्त जिला चिकित्सालय का किया निरीक्षण

चित्रकूट। संयुक्त जिला चिकित्सालय सोनपुर का मुख्य चिकित्सा अधिकारी डा भूपेश द्विवेदी ने मुख्य चिकित्सा अधीक्षक के साथ निरीक्षण किया। इस दौरान समस्त चिकित्सक एवं पैरामेडकल स्टाफ रोस्टर के अनुसार ड्यूटी पर उपस्थित मिले। ४१९ मरीजो को ओपीडी के माध्यम से चिकित्सीय परामर्श दिया जा चुका था। २७ मरीज जल में भर्ती थे। साथ ही ६४ एक्सरे, ३९७ पैथालॉजी टेस्ट एवं १७ ऑख के आपरेशन सम्पादित हो चुके थे। चिकित्सालय परिसर में संचालित ब्लड बैंक में ३७ यूनिट ब्लड से ३ यूनिट ब्लड मरीज को दिया गया एवं १ यूनिट ब्लड प्राप्त हुआ था। टी.बी. की जाँच ८, एचआईवी जाँच २२, सिफलिस जाँच २२

एवं ईसीजी की १० जाँच तथा ७ आयुष्मान कार्ड बनाये गये थे। जननी सुरक्षा वार्ड में सात प्रसूता प्रसव उपरान्त एवं दो प्रसूता ऑपरेशन के बाद वार्ड में भर्ती थी। एमरजेंसी, एनबीएसयू, एनीमिया, एसएनसीयू वार्ड का निरीक्षण किया गया। सभी आवश्यक उपकरण एवं औषधियों पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध मिले। बेडो पर दिवसवार चादर बिछाने के निर्देश दिये गये। यदि चादरों की कमी हो तो तत्काल आपूर्ति कराये जाने के लिए कहा गया। चिकित्सालय में आये हुए मरीजो को बिना किसी भी वजह के रेफर नहीं किया जाये। उन्हें सही चिकित्सीय परामर्श प्रदान करते हुए समुक्ति उपवार प्रदान किया जाये। उन्ही मरीजो को उच्च चिकित्सालयों में संदर्भित किया जाये जिन्हे वास्तव में

विशेषज्ञ चिलित्परको के परामर्श की आवश्यकता है। चिकित्सालय में संचालित डायलिसिस वार्ड एवं ऑक्सीजन प्लांट के पास पड़े कचरे के ढेर को तत्काल साफ कराये जाने एवं पूरे चिकित्सालय के वार्ड आदि की समय से साफ सफाई, पीने के पानी आदि की व्यवस्था ठीक कराये जाने के लिए मुख्य चिकित्ता अधीक्षक से वार्ता की गयी। शीत ऋतु के िट्गित भर्ती मरीजों के वार्ड में हीटर, कम्बल आदि की व्यवस्था दुरुस्त कराये जाने के लिए निर्देशित किया गया। मरीजो के साथ आये हुए परिजनो को भी चिकित्सायल परिसर में रुकने के उचित व्यवस्था करते हुए अलाव की व्यवस्था तथा स्थापित नैनबसेरा में पर्याप्त जगह होने की स्थिति में और भी बैड लगाये जाये।

जिला अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष बने सुशील, सचिव पद पर विजय तिपाठी ने मारी बाजी

चित्रकूट। जिला अधिवक्ता संघ के चुनाव में सुशील मिश्रा ने बाजी मारी। उन्होंने प्रतिद्वंदी सुरेश सिंह प्रभु को ५१ मतों से हराया। सचिव पद पर विजय प्रकाश त्रिपाठी ने भी कांटे की टक्कर में ३७ वोटों से शिवशंकर उपाध्याय को हराने में कामयाबी हासिल किया। जिला अधिवक्ता संघ के २१ सीटों पर ३९ प्रत्याशियों के भाग्य का पिटारा खुलते ही सम्भ्रन में अधिवक्ता अपने अपने प्रत्याशी के पक्ष में नारे लगाने लगे। इसमें कुल ५३३ मतों में ५०९ मत पड़े थे। कुल दस चरण में मतगणना हुई। इसमें शुरु के तीन चरण में अध्यक्ष पद पर सुरेश सिंह ने सुशील से १५ मतों की बढ़त ली। इसके बाद छठवें राउंड में सुशील ने ३० मतों से बढ़त बनाई। आठवें राउंड में दोनों के बीच अंतर १८ मतों का रहा लेकिन अंतिम दो राउंड में सुशील ने निर्णायक बढ़त ले ली और ५१ मतों से चुनाव जीत लिया। सुशील को २४६ व सुरेश को १९५ मत मिले। इसी प्रकार सचिव पद पर विजय प्रकाश त्रिपाठी व शिवशंकर उपाध्याय के बीच तगड़ मुकाबला हुआ। सभी राउंड में दोनों के बीच आगे पीछे का दौर चला अंत में विजय ने ३७ मतों से शिवशंकर को १८१ व शिवशंकर को १४४ मत मिले। कोषाध्यक्ष पद पर अनुराग पटेल को १४१ मत मिले उन्होंने अपने प्रतिद्वंदी कामता रैकवार को छह मतों से हराया। कामता को १३५ मत मिले। संयुक्त सचिव प्रशासनिक पर प्रिया द्विवेदी, वरिष्ठ उपाध्यक्ष रामेंद्र त्रिपाठी विजयी रहे। जैसे ही माइक से चुनाव अधिाकारी चंद्रपाल पाल व चुनवाद प्रसाद ने चुनाव परिणाम की घोषणा की वैसे ही चारों तरफ जीतने वाले प्रत्याशियों के समर्थकों ने नाच गाना व फूल माला पहनाना शुरु कर दिया।

माघ मेला हमारी शाश्वत संस्कृति का जीवंत स्वरूप- प्रो. मार्टण्ड सिंह

प्रयागराज। संगम तट पर माघ मेला की पवित्र भूमि में प्रवेश करते ही श्रद्धालुओं के मन में आध्यात्मिक चेतना, जिज्ञासा और भक्ति—भाव जागृत हो उठता है। यह हमारी चिरंतन एवं शाश्वत संस्कृति की जीवंत अभिव्यक्ति है। उक्त विचार मंगलवार को उत्तर मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र, संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा आयोजित शब्द—ब्रह्म संगोष्ठी में प्रोफेसर मार्टण्ड सिंह ने माघ मेला महात्म्य रू एक समेकित शाश्वत चिंतन विषय पर व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि तुलसीदास ने रामचरितमानस में माघ मेले के महत्व का उल्लेख करते हुए कहा हैकू”माघ मकरगति रवि जब होई, तीरथपतिहिं आव सब कोई।”माघ मेला क्षेत्र पुराणों, निगमां और आगमों से प्रवाहित हमारी सांस्कृतिक अस्मिता और संस्कारों की धरोहर है। सरस्वती पत्रिका के संपादक अनुपम परिहार ने कहा कि माघ मेला ज्ञान, आस्था, अनुष्ठान और विज्ञान का अद्भुत संगम है। यहाँ ज्ञान—पिपासु सत्य की खोज में आते हैं, जबकि सामान्य जन कल्पवास और पुण्य स्नान के माध्यम से आत्मशुद्धि की कामना करता है। कार्यक्रम के अंतर्गत ब्रह्मनाद कला महोत्सव प्रतियोगिता के तहत काव्य—पाठ का आयोजन किया गया।कार्यक्रम का शुभारं केंद्र निदेशक सुदेश शर्मा एवं वक्ताओं द्वारा दीप प्रज्वलन से हुआ। उन्होंने वक्ताओं को अंगवस्त्र व पेषा देकर स्वागत किया। काव्य—पाठ में भाग लेने वाले प्रतिभागियों को कार्यक्रम सलाहकार कल्पना सहाय द्वारा प्रणाम—पत्र देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. आभा मधुर ने किया।

महापौर ने किया पंचकोसी परिक्रमा यात्रा का स्वागत

प्रयागराज। प्रयागराज की प्राचीन परंपरा के अंतर्गत निकलने वाली पंचकोसी परिक्रमा यात्रा का स्वागत एवं सम्मान का आयोजन एडीसी कॉलेज कीडंगंज चौराहे पर स्थित श्री राम जानकी मंदिर के प्रांगण में आयोजित किया गया। इस अवसर पर प्रयागराज केसरवानी ने पंचकोसी यात्रा में शामिल महंत हरी गिरी महाराज जी के साथ आए सभी सैंकड़ो साधु संतों का पुष्प वर्षण कर स्वागत किया और उनके चरण वंदन करते हुए अभिनंदन किया। इस अवसर सभी संतो ने मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्री राम और माता जानकी जी की पूजन अर्चन दर्शन एवं आरती की और प्रसाद ग्रहण किया श।

इस अवसर पर महापौर गणेश केसरवानी ने कहा कि पंचकोसी परिक्रमा यात्रा प्रयागराज की माघ मेले की प्राचीन परंपरा रही है जो सनातन धर्म और आध्यात्मिक आस्था का प्रतीक है। इस यात्रा के माध्यम से हमारे साधु संतों के द्वारा समस्त विश्व की कल्याण की कामना की जाती है।संचालन राजेश केसरवानी एवं सुभाष वैश्य ने किया। इस अवसर पूर्व सांसद विनोद सोनकर, पूर्व पार्षद प्रभाकर मिश्रा गिरी बाबा, भाजपा काशी क्षेत्र अल्पसंख्यक मोर्चा के मंत्री सैफुल्ल अब्बास, राजेश केसरवानी, टी एन दीक्षित, रुपेश कुशवाहा, विवेक अग्रवाल, सुशील जैन, प्रमोद मोदी, पार्षद आकाश सोनकर, मुकेश कसेरा, रुद्रसेन जायसवाल, राजन शुक्ला,किशन चंद्र जायसवाल, दिलीप केसरवानी, विष्णु त्रिपाठी, मनोज मिश्रा, नरेंद्र जायसवाल, अजय जायसवाल, अमरेश जायसवाल, थापि सैंकड़ो भगवान् कार्यकर्ता उपस्थित रहे और साधु संतों का स्वागत किया।

एक माह में समिति के समक्ष प्रस्तुत करें विवरण : सभापति

चित्रकूट। उत्तर प्रदेश विधान परिषद की संसदीय अध्ययन समिति की चित्रकूट व बांदा की संयुक्त बैठक कलेक्ट्रेट सभागार में सभापति किरण पाल कश्यप की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। बैठक में सदर विधायक अनिल प्रधान, जिलाधिकारी पुलकित गर्ग, जिलाधिकारी बांदा जे शैमा, पुलिस अधीक्षक अरुण कुमार सिंह, पुलिस अधीक्षक बांदा पलाश बंसल, मुख्य विकास अधिकारी डी.पी. पाल, मुख्य विकास अधिकारी बांदा अजय कुमार पांडेय सहित जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

सभापति संसदीय अध्ययन समिति के कलेक्ट्रेट आगमन पर उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर प्रदान किया गया। बैठक में जनपदों के जनप्रतिनिधियों से प्राप्त संदर्भों की विस्तृत समीक्षा की गई। जिला पंचायत राज अधिाकारी को निर्देशित किये कि प्राप्त शिकायतों का समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित करते हुए निस्तारण की सूचना पत्र के माध्यम से संबंधित जनप्रतिनिधियों को भी उपलब्ध कराई जाए। नगर विकास एवं जल निगम ग्रामीण के संबंध में अधिशासी अभियंता से जानकारी ली। अधिशासी अभियंता जल निगम द्वारा अवगत कराया गया कि जनपद में तीन परियोजनाएं संचालित हैं। जिनके अंतर्गत सिलौटा में ५७६ किमी, चांदी बार में २५०० किमी तथा रेपुरा में ७२५ किमी पाइप लाइन बिछाई गई

है। अध्यक्ष द्वारा निर्देश दिए गए कि पाइप लाइन बिछाने के दौरान क्षतिग्रस्त हुई सड़कों को पूर्व स्थिति में शीघ्र पुनर्निर्मित कराया जाए। बेसिक शिक्षा अधिकारी को निर्देशित किया कि जनप्रतिनिधियों के फोन काल का समय से संज्ञान लिया जाए तथा समिति के समक्ष एक माह के भीतर समस्त आवश्यक सूचनाओं के साथ उपस्थित होना सुनिश्चित करें। मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी सं जनपद में संचालित गौशालाओं एवं चारा पानी की व्यवस्था की जानकारी ली। निर्देश दिए कि कोई भी निराश्रित पशु सड़कों पर न घूमे। उन्हें गौशालाओं में कराए तथा किसानों की फसलों को किसी प्रकार का नुकसान न होने पाए। आयुष विभाग को निर्देश दिए कि जनसामान्य, विशेषकर ग्रामीण क्षेत्रों में जागरूकता बढ़ाने के लिए शिविरों का आयोजन कर व्यापक प्रचार प्रसार किया जाए। बैठक में सिंचाई विभाग, जिला पंचायत राज विभाग, बेसिक शिक्षा विभाग, आबकारी विभाग एवं परिवहन विभाग को निर्देशित किया गया कि एक माह के भीतर समिति के समक्ष समस्त विवरण प्रस्तुत करें। कहा कि संसदीय अध्ययन समिति विधान परिषद की एक महत्वपूर्ण समिति है जो एक मिनी सदन के रूप में कार्य करती है। सदन में उठाए गए प्रश्नों का समय पर समाधान सुनिश्चित करने में यह समिति महत्वपूर्ण भूमिका

निभाती है तथा लोकतंत्र में समस्याओं का समाधान प्राथमिक रूप से जिला स्तर पर ही होना चाहिए।

डीएम बांदा ने अवगत कराया कि जनप्रतिनिधि यों से प्राप्त २४०४ संदर्भों के सापेक्ष २४०३ का निस्तारण कर दिया गया है। शेष एक प्रकरण का निस्तारण शीघ्र कर लिया जाएगा। सभापति ने सिंचाई विभाग बांदा द्वारा किए गए डेटा आधारित निस्तारण एवं उसकी सूचना जनप्रतिनिधियों को उपलब्ध कशने की सराहना की। बैठक में अधिशासी अभियंता निर्माण खंड, उत्तर प्रदेश जल निगम नगरीय की अनुपस्थिति पर कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए गए। इस अवसर पर संसदीय अध्ययन समिति के अध्यक्ष एवं सदस्यों को एक जनपद एक उत्पाद के अंतर्गत निर्मित जनपद का स्मृति चिन्ह भेंट किया गया। डीएम पुलकित गर्ग ने संसदीय अध्ययन समिति के अध्यक्ष एवं सदस्यों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए आश्चस्त किया कि दिए गए निर्देशों का अक्षरशः पालन सुनिश्चित किया जाएगा। बैठक में समिति के अनुसचिव विनोद यादव, समीक्षा अधिकारी सौरभ दीक्षित, अपर निजी सचिव अभिनव यादव, बृजेश यादव सहित चित्रकूट एवं बांदा जनपदों के संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

निर्वाचक नामावलियों के आलेख्य का हुआ प्रकाशन -छह जनवरी से छह फरवरी तक होगा मतदाता पंजीकरण का कार्य

चित्रकूट। विधानसभा निर्वाचक नामावली का विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण एवं मतदाता पंजीकरण रजिष्ट्रार के अपर जिलाधिकारी चंद्रशेखर एवं उप जिलाधिकारी कर्बी पूजा साहू का स्वागत किया। एडीएम ने १८ वर्ष पूर्ण कर चुके १५ छात्र—छात्राओं को फार्म ६ वितरित कर पंजीकरण कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस अवसर पर उप जिलाधिकारी सदर ने कहा कि भारत निर्वाचन आयोग ने विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण आयोजित करशकर मृत शिटेड व डबल पंजीत मतदाताओं को हटाकर नए मतदाताओं को जोड़कर शुद्ध मतदाता सूची बनाने के लिए भरसक प्रयास किया। जिसका आज आलेख्य प्रकाशन हो रहा है। सभी लोग अपना नाम मतदाता सूची में देख लें। यदि किसी का नाम छूट गया हो तो फार्म ६ भर कर अपना नाम पंजीत कराएं। यदि कोई संशोधन है तो फार्म ८

भरें। यह सूची अंतिम नहीं है। इसमें पंरेशान होने की कोई आवश्यकता नहीं है। एडीएम ने कहा कि फार्म भरकर बीएलओ के पास जमा करें यें या फिर सभी युवा अपने मोबाइल फोन के द्वारा वोटर हेल्पलाइन एप डाउनलोड कर या फिर बेबसाइट में जाकर भी ऑनलाइन पंजीकरण घर बैठे कर सकते हैं। कार्यक्रम का संचालन सुरेश प्रसाद प्रवक्ता सेठ राष्ण पोडार इंटर कॉलेज ने किया। इस अवसर पर तहसीलदार कर्बी चंद्रकांत तिवारी, प्रधानाचार्य शशिकला, डॉ राजीव पाठक, भैरो प्रसाद, डॉ सनत द्विवेदी, नरेंद्र मिश्र सहित चित्रकूट इंटर कॉलेज कर्बी गोस्वामी तुलसीदास राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय कर्बी जेएम बालिका इंटर कॉलेज कर्बी श्रीगंगा प्रसाद जनसेवा इंटर कॉलेज के छात्र—छात्राएं व शिक्षक उपस्थित रहे।

माघ मेले में शामिल होंगे सीएम योगी

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ १० जनवरी को प्रयागराज आ सकते हैं। माघ मेले में मकर संक्रांति व मौनी अमावस्या स्नान पर्व की तैयारियों की हकीकत देखने व समीक्षा करने के लिए यहां आएंगे। मेला प्राधिकरण कार्यालय में अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक करेंगे। बताया जा रहा है कि ४ घंटे से ज्यादा समय तक वह प्रयागराज में रहेंगे। हालांकि अभी इसका कोई प्रोटोकाल जारी नहीं किया गया है। मुख्यमंत्री यहां गंगा पूजन करेंगे और महावीर मार्ग पर लगे संतुआ बाबा के शिविर में एकादशी के कार्यक्रम में भी शामिल हो सकते हैं। शहर में आयोजित एक कार्यक्रम में भी वह शामिल होंगे। बांध स्थित बड़े हनुमानजी मंदिर में दर्शन करेंगे।इसके पहले मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ २२ नवंबर को प्रयागराज आए थे। यहां उन्होंने माघ मेले की तैयारियों का जायजा लिया था। बोट से संगम नोज गए थे और वहां से फिर बड़े हनुमानजी का दर्शन करने पहुंचे थे।

माघ मेले में एटीएस ने बम को किया निष्क्रिय, की माक ड्रिल

आतंकी खतरे के महेनजर किया गया अभ्यास

प्रयागराज। माघ मेले में श्रद्धालुओं की सुरक्षा के लिए एंटी टेररिस्ट स्कवॉड (एटीएस) ने मंगलवार को हाई—लेवल मॉक ड्रिल का आयोजन किया। इस अभ्यास के माध्यम से किसी भी आतंकी खतरे, संदिग्ध गतिविधि या आपात स्थिति से निपटने की तैयारियों को जमीनी स्तर पर परखा गया। मॉक ड्रिल के दौरान बम की सूचना, संदिग्ध व्यक्ति की गिरफ्तारी, भीड़ में भगदड़ की स्थिति और त्वरित रेस्क्यू ऑपरेशन जैसे कई काल्पनिक परिदृश्यों को साकार किया गया।

एटीएस के साथ स्थानीय पुलिस, बम निरोधक दस्ता, डॉंग स्कवॉड, फायर ब्रिगेड और मेडिकल टीमों ने भी समन्वय के साथ अभ्यास किया। हाई लेवल मॉक ड्रिल में मेला क्षेत्र की सुरक्षा के लिए हर मोर्चे पर पुख्ता तैयारी परखी गई। संदिग्ध व्यक्ति द्वारा लगाए गए बम को समय रहते निष्क्रिय करके दिखाया गया।

अधिवक्ता जे के उपाध्याय हाईकोर्ट के न्यायमूर्ति नियुक्त

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट में उत्तर प्रदेश सरकार के अपर शासकीय अधिवक्ता जय कृष्ण (जेके) उपाध्याय को न्यायमूर्ति नियुक्त किए जाने की कॉलेजियम की सिफारिश पर केंद्र सरकार ने मुहर लगा दी है। विधि एवं न्याय मंत्रालय के संयुक्त सचिव जगन्नाथ श्रीनिवासी की ओर से सोमवार को अधिसूचना जारी कर दी गई। मिर्जापुर के राजगढ़ विकासखंड स्थित खैरा गांव के मूल निवासी जय कृष्ण उपाध्याय वर्तमान में २००९ से इलाहाबाद हाईकोर्ट में अपर शासकीय अधिवक्ता (क्रिमिनल) नियुक्त हुए थे। ये आपराधिक मामलों के जानेमाने अधिवक्ता हैं। इन्होंने प्रारंभिक शिक्षा गांव के परिषदीय विद्यालय से प्राप्त की। इसके बाद मौनी स्वामी इंटर कॉलेज से हाईस्कूल व इंटर की परीक्षा उत्तीर्ण की। उन्होंने आगे की पढ़ाई के लिए प्रयागराज विश्वविद्यालय का रुख किया, जहां से स्नातक एवं विधि की डिग्री हासिल की। इनके बड़े भाई रामकृष्ण उपाध्याय लखनऊ के जिला एवं सत्र न्यायाधीश के पद से सेवानिवृत्त हो चुके हैं, जबकि दूसरे बड़े भाई श्रीकृष्ण उपाध्याय मिर्जापुर के राजगढ़ ब्लॉक में सहायक विकास अधिकारी (पंचायत) के रूप में कार्यरत हैं।

सैफायर इवेंट के स्टैंड-अप शो में ठहाकों की बौछार

प्रयागराज। सैफायर इवेंट द्वारा आयोजित स्टैंड—अप कॉमेडी शो ने शहरवासियों को हंसी के पागलपन से सरोबार कर दिया। खचाखच भरे सभागार में स्पेशल गेस्ट कौस्तुभ अग्रवाल और विवेक समतानी ने अपने चुटकुलों, मिमिक्री और स्थानीय मुद्दों पर कटाक्ष से दर्शकों को खूब गुदगुदाया। प्रयागराज के दर्शकों ने दोनों कॉमेडियनों की धमाकेदार परफॉर्मेंस को जोरदार तालियों से सराहा। कौस्तुभ अग्रवाल ने अपनी अनेकौखी स्टाइल से तो विवेक समतानी ने टाइमिंग से सबको मंत्रमुग्ध कर दिया। सैफायर इवेंट ने इस हाउसफुल आयोजन से शहर में कॉमेडी का नया कीर्तिमान स्थापित किया।

अभियान चलाकर निर्धारित लक्ष्य की पूर्ति करें- डीएम

प्रयागराज। जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा की अध्यक्षता में मंगलवार को संगम सभागार में दिव्यांगजन सशक्तीकरण विभाग, उ०प्र० अंतर्गत जनपद में गठित जिला स्तरीय दिव्यांगता समिति, जिला अनुश्रवण समिति, जिला दिव्यांग पुनर्वास केंद्र संचालन समिति एवं लोकल लेबल कमेटी की बैठक आहूत की गयी। बैठक में जिलाधिकारी ने उपस्थित सदस्यों का परिचय एवं किये जा रहे कार्यों के संदर्भ में जानकारी प्राप्त करते हुए विभाग द्वारा संचालित कल्याणकारी योजनाओं का अभियान चलाकर नि्धारित लक्ष्य की पूर्ति कराने के निर्देश दिये गये साथ ही शासन के निर्देशानुसार मण्डल मुख्यालय में जिला दिव्यांग पुनर्वास की स्थापना करने हेतु विन्हित आईएएसई परिसर के रेमेडियल (प्रशिक्षण हाल) को अस्थाई रूप से हस्तगत कराते हुए संचालन प्रारम्भ कराने के निर्देश दिये गये। बैठक में मुख्य विकास अधिाकारी, जिला दिव्यांगजन सशक्तीकरण अधिकारी, जिला विद्यालय निरीक्षक, संयुक्त निदेशक, अभियोजन, जिला कार्यक्रम अधिकारी, प्राचार्य, आई०एस०एस०ई०, प्रधानाचार्य, राजकीय महिला शारीरिक शिक्षा प्रशिक्षण महाविद्यालय, उप मुख्य चिकित्साधिकारी, जिला सुरक्षा अधिकारी, जिला समन्वयक समेकित शिक्षा, डा० के०एन० मिश्र प्रधानाचार्य उत्तर प्रदेश मूक बधिर विद्यालय, श्रीमती पूनम सिंह सचिव भाविनी वेल्फेयर सोसाइटी,

लवलेश सिंह, पंकज श्रीवास्तव, जनपद प्रयागराज उपस्थित रहे।

एजीयूपी की सुहाना ओर वंदना की जोड़ी अंतिम चार में

प्रयागराज। एजी उत्तर प्रदेश की सुहाना नर्त्तिनारी और वंदना सिंह की जोड़ी ने उत्तर क्षेत्रीय भारतीयों लेखा एवं लेखा परीक्षा टेबल टेनिस प्रतियोगिता में महिला युगल स्पर्धा के सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया। सुहाना ने महिला एकल के क्वार्टर फाइनल में भी जगह बनाई। वहीं टीम स्पर्धा के मुकाबले में दिल्ली ऑडिट और हरियाणा की टीम खिताबी दौर में पहुंच गई। अमिताभ बच्चन स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स (मैगोहाल) में मंगलवार से शुरु हुई प्रतियोगिता में महिला युगल के क्वार्टर फाइनल मुकाबले में सानिया सहगल और विदुषी वत्स (दिल्ली ऑडिट) की जोड़ी ने विनीता नेगी एवं रविचंद्र (उत्तराखंड) को ३—१, अंजलि रोहिल्ला और ग्लेडिस्टर पलोसेस (दिल्ली ऑडिट) ने रितिका चौधरी व तमन्ना (उत्तराखंड) को ३—० सुहाना नार्त्तिनरी और वंदना सिंह (उत्तर प्रदेश) ने कल्याणी एवं शिखा (हरियाणा) को ३—० और तमन्ना सैनी व गुरविंदर (पंजाब) की जोड़ी ने आभा एवं राधा (उत्तर प्रदेश) को ३—१ से हराकर अंतिम चार में जगह बनाई।टीम स्पर्धा के क्वार्टर फाइनल में उत्तराखंड ने उत्तर प्रदेश को ३—२, हरियाणा ने हिमाचल प्रदेश को ३—२ और पंजाब में जम्मू कश्मीर को ३—० से हराया। दिल्ली ऑडिट की टीम बाई लेकर सेमीफाइनल में पहुंची थी। पहले सेमीफाइनल में दिल्ली ऑडिट ने उत्तराखंड को ३—० से और दूसरे सेमीफाइनल में हरियाणा ने पंजाब को २—१ से हराया।

8 छक्के, 63 गेंद, तूफानी पारी वैभव सूर्यवंशी ने दक्षिण अफ्रीका मे मचाया गदर

भारत अंडर-19 के कप्तान वैभव सूर्यवंशी ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ तीसरे युवा वनडे में मात्र 63 गेंदों में शतक जड़कर अपनी शानदार फॉर्म का प्रदर्शन किया। उनकी 73 गेंदों में 127 रनों की विस्फोटक पारी ने आगामी अंडर-19 विश्व कप के लिए भारत की स्थिति को और मजबूत किया है। वैभव सूर्यवंशी ने भारत अंडर-19 के लिए अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ तीसरे युवा वनडे में कप्तान के रूप में अपना पहला शतक बनाया। उन्होंने सिर्फ 63 गेंदों में शतक जड़ा, जिसमें सात चौके और आठ छक्के शामिल थे। उन्होंने बेनोनी के विलोमूर पार्क में पारी की शुरुआत करते हुए घरेलू टीम को धूल चटाई। कुल मिलाकर, यह सूर्यवंशी का युवा वनडे क्रिकेट में तीसरा और क्रिकेट के सभी स्तरों पर कुल

मिलाकर नौवां शतक है। 14 वर्षीय वैभव ने आरोन जॉर्ज के साथ पारी की शुरुआत की और दोनों ने दक्षिण अफ्रीका के युवा बल्लेबाजों की जमकर धुलाई की। उन्होंने 25 ओवर से भी कम समय में 200 से अधिक रन जोड़े, और भारत एक बड़ा स्कोर बनाने की ओर अग्रसर दिख रहा है। वैभव ने हमेशा की तरह शुरुआत से ही शानदार शॉट खेले और किसी भी समय अपनी सतर्कता नहीं छोड़ी। शतक बनने के बाद वैभव ने अपनी गति और भी बढ़ा दी, लेकिन 73 गेंदों में 127 रन बनाकर आउट हो गए, जिसमें नौ चौके और 10 छक्के शामिल थे। सलामी जोड़ी ने 25.4 ओवर में 227 रन जोड़े हैं, और भारत अपने 50 ओवरों में 350 से अधिक रन बनाने के लिए उत्सुक होगा। वैभव सूर्यवंशी ने जब से बड़े क्रिकेट में कदम



रखा है, तब से इस बाएं हाथ के बल्लेबाज ने सभी प्रारूपों में छह देशों के लिए शतक जड़े हैं। उन्होंने युवा वनडे में तीन बार, युवा टेस्ट में दो बार, लिस्ट ए में एक बार और टी20 क्रिकेट में तीन बार 100 रन का आंकड़ा पार किया है, जिसमें इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में राजस्थान रॉयल्स के लिए लगाया गया शतक भी शामिल

है। युवा वनडे की बात करें तो उन्होंने मात्र 18 पारियों में 57.23 के औसत और 164.35 के शानदार स्ट्राइक रेट से 973 रन बनाए हैं, जिनमें तीन शतक और चार अर्धशतक शामिल हैं। 15 जनवरी से शुरू होने वाले अंडर-19 विश्व कप को देखते हुए वैभव सूर्यवंशी की शानदार फॉर्म भारत के लिए एक अच्छा संकेत है।

सेचूरी जड़ने वाले रतुराज को किया गायवाड की ड्रप पर पूर्व क्रिकेटर्स ने उठाए सवाल

दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ शतक जड़ने के बावजूद रतुराज गायकवाड को न्यूजीलैंड सीरीज से ड्रॉप किए जाने पर बीसीसीआई चयन समिति की कड़ी आलोचना हो रही है। पूर्व क्रिकेटरों सदगोपन रमेश और रॉबिन उथप्पा ने इस फैसले को श्नाइसफाीर बताते हुए टीम चयन की प्राथमिकताओं और निरंतरता की कमी पर गंभीर सवाल उठाए हैं।भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व सलामी बल्लेबाज सदागोप्पन रमेश का मानना ​​​​छ्हे कि न्यूजीलैंड के खिलाफ आगामी वनडे सीरीज के लिए रतुराज गायकवाड को टीम में शामिल किया जाना चाहिए था और उन्होंने पांचवें सीम बॉलर को शामिल करने के फैसले पर सवाल उठाया। गायकवाड ने हाल ही में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ वनडे सीरीज में नंबर 4 पर बल्लेबाजी करते हुए शतक बनाया था, लेकिन न्यूजीलैंड सीरीज के लिए उन्हें टीम से बाहर रखा गया। रमेश ने कहा कि रेड्डी की

भूमिका अभी स्पष्ट नहीं है और उनकी जगह गायकवाड को टीम में शामिल किया जाना चाहिए था।न्यूजीलैंड सीरीज के लिए भारतीय टीम से रतुराज गायकवाड को बाहर किए जाने से बीसीसीआई चयन समिति के फैसलों पर सवाल उठ रहे हैं। चेन्नई के इस बल्लेबाज ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ अपने पिछले मैच में शतक बनाया था, लेकिन फिर भी उन्हें टीम में जगह नहीं मिली। उनका बाहर होना श्रेयस अय्यर की वापसी के साथ हुआ है, जो ऑस्ट्रेलिया दौरे के दौरान लगी चोट से उबरकर टीम में लौटे हैं, जिससे चयन प्राथमिकताओं पर बहस और तेज हो गई है। हालांकि, अय्यर की फिटनेस जांच पूरी होने पर ही टीम में उनकी उपलब्धता तय होगी, और इस अनिश्चितता के बावजूद, चयनकर्ताओं ने गायकवाड को बैकअप विकल्प के रूप में नहीं चुना।पूर्व भारतीय बल्लेबाज रॉबिन उथप्पा ने गायकवाड को टीम से बाहर किए जाने पर हैरानी जताते हुए इसे पचाना मुश्किल बताया। उन्होंने भारतीय क्रिकेट में लगातार



अस्तित्व बनाए रखने के दबाव का जिक्र किया और असफलताओं से निपटने और आगे बढ़ते रहने के लिए दृढ़ता, सकारात्मक आत्म-संचार और सकारात्मक पहलुओं पर ध्यान केंद्रित करने के महत्व पर बल दिया। गायकवाड ने 2022 में वनडे क्रिकेट में पदार्पण किया, लेकिन तब से उन्हें लगातार मौकों नहीं मिल पाए हैं। नौ मैचों में उन्होंने 28.50 के औसत से 228 रन बनाए हैं, जिनमें एक शतक और एक अर्धशतक शामिल है। उथप्पा ने भारतीय क्रिकेट में सफलता पाने के लिए आवश्यक अथक परिश्रम पर जोर दिया,

खासकर मुंबई, दिल्ली और पंजाब जैसे प्रमुख क्रिकेट केंद्रों से बाहर के खिलाड़ियों के लिए। उन्होंने उच्चतम स्तर पर जगह बनाने के लिए निरंतर प्रयास करने, संघर्ष करने और दृढ़ रहने के महत्व पर बल दिया। उन्होंने आगे कहा, "और आपको लगातार संघर्ष करते रहने का रास्ता खोजना होगा, खासकर अगर आप भारत के तीन बड़े राज्यों – मुंबई, दिल्ली और पंजाब – में से किसी एक से नहीं आते हैं। अगर आप इन राज्यों में से किसी एक से नहीं हैं, तो आपको खुद को लगातार आगे बढ़ाते रहना होगा।"

आईपीएल आक्शन के बाद मुस्ताफिजुर को बड़ा झटका, केकेआर से कान्ट्रैक्ट खत्म, मुआवजे पर भी सरपेंस बरकरार!

बीसीसीआई के अस्पष्ट निर्देशों पर केकेआर द्वारा मुस्ताफिजुर रहमान का कान्ट्रैक्ट रद्द किए जाने से एक बड़ा विवाद खड़ा हो गया है, क्योंकि बिना किसी गलती के खिलाड़ी को मुआवजा नहीं मिलेगा। इस घटना ने भारत-बांग्लादेश क्रिकेट संबंधों में तनाव पैदा कर दिया है, जिसके चलते बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड ने टी20 वर्ल्ड कप मैच शिफ्ट करने की मांग की है। बांग्लादेश के तेज गेंदबाज मुस्ताफिजुर रहमान को आईपीएल नीलामी में केकेआर ने 9.20 करोड़ रुपये की बड़ी रकम में खरीदा था, जहाँ चेन्नई सुपर किंग्स और दिल्ली कैपिटल्स जैसी टीमों ने भी उनके लिए बोली लगाई थी। हालांकि, बाद में बीसीसीआई के निर्देश पर केकेआर को उनका कान्ट्रैक्ट खत्म करना पड़ा। बोर्ड ने इस फैसले के पीछे ठोस कारण नहीं बताए और केवल "चारों ओर हो रहे घटनाक्रम" का



हवाला दिया।गौरतलब है कि इस पूरे मामले में मुस्ताफिजुर की कोई भूमिका नहीं रही। न तो उन्होंने टूर्नामेंट से खुद को अलग किया और न ही उनके खिलाफ किसी तरह की अनुशासनात्मक या पेशेवर शिकायत दर्ज हुई।इसके बावजूद, मौजूदा बीमा और कान्ट्रैक्ट व्यवस्था के तहत उन्हें मुआवजा मिलने का रास्ता लगभग बंद नजर आ रहा है।मौजूद जानकारी के अनुसार, आईपीएल खिलाड़ियों की सैलरी बीमा के दायरे में होती है, लेकिन

यह सुरक्षा आमतौर पर चोट या टूर्नामेंट के दौरान होने वाली घटनाओं तक सीमित रहती है। विदेशी खिलाड़ियों के मामले में फ्रेंचाइजी तब भुगतान करती है जब खिलाड़ी कैंप जॉइन करने के बाद चोटिल हो जाए। ऐसे मामलों में भी बीमा के जरिए अधिकतम 50 प्रतिशत तक की राशि ही कवर होती है।इस मामले से जुड़े एक सूत्र ने बताया कि मुस्ताफिजुर का अनुबंध समाप्त होना न तो चोट के कारण हुआ और न ही क्रिकेट

से जुड़ी किसी वजह से। ऐसे में बीमा क्लेम की कोई गुंजाइश नहीं बनती और केकेआर पर किसी तरह की भुगतान की कानूनी बाध्यता नहीं है।सूत्रों के अनुसार, सैद्धांतिक रूप से मुस्ताफिजुर के पास कानूनी रास्ता अपनाने का विकल्प मौजूद है, लेकिन आईपीएल भारतीय टीमों के दायरे में आता है और किसी विदेशी खिलाड़ी के लिए लंबी कानूनी प्रक्रिया में जाना व्यावहारिक नहीं माना जाता। कोर्ट ऑफ़ आर्बिट्रेशन फॉर स्पोर्ट्स का विकल्प भी आसान नहीं है। इस पूरे घटनाक्रम का असर भारत-बांग्लादेश क्रिकेट संबंधों पर भी पड़ा है। प्रतिक्रिया स्वरूप बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड ने भारत में होने वाले अपने टीमों को शिफ्ट करने की मांग रखी है, जिससे मामला और संवेदनशील हो गया है।

गौतम गंभीर के बचाव में उतरे हरभजन सिंह हार पर बोले- वो खेलने नहीं जाते

टीम इंडिया के खराब टेस्ट प्रदर्शन पर हरभजन सिंह ने हेड कोच गौतम गंभीर का बचाव करते हुए कहा कि गंभीर वहां खेलने नहीं जाते। उन्होंने स्लिट कोचिंग की बहस पर धैर्य रखने की सलाह दी और कहा कि फिलहाल रेड-बॉल और व्हाइट-बॉल के लिए अलग कोच की जरूरत नहीं है। पूर्व भारतीय क्रिकेटर हरभजन सिंह ने गौतम गंभीर के नेतृत्व में टेस्ट क्रिकेट में एशियाई दिग्गज टीम के खराब प्रदर्शन के बाद भारत में चल रही कोचिंग व्यवस्था में फूट पर अपनी राय व्यक्त की है। भारत को पिछले दो

वर्षों में घरेलू मैदान पर दो बार करारी हार का सामना करना पड़ा है। 2024 में न्यूजीलैंड से 0-3 की शर्मनाक हार के बाद, गौतम गंभीर के नेतृत्व में 2025 में दक्षिण अफ्रीका से घरेलू मैदान पर 0-2 की करारी हार मिली।न्यूजीलैंड से 3-0 की करारी हार ने भारत के उस महान टेस्ट साम्राज्य का भी अंत कर दिया, जिसे एमएस धोनी, विराट कोहली और रोहित शर्मा जैसे कप्तानों ने एक दशक से अधिक समय तक बखूबी संभाला



हार ने कभी मजबूत स्थिति में रही भारतीय टीम को आईसीसी विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप 2025 के फाइनल में जगह बनाने से वंचित कर दिया, और प्रोटियाज

को मिली यह ताजा हार भी उन्हें इस प्रतिष्ठित टेस्ट चैम्पियनशिप मुकाबले में जगह बनाने से रोक सकती है, यह आगे के परिणामों पर निर्भर करेगा।दूसरी ओर, गंभीर ने दुबई में आयोजित 2025 आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी में भारत को जीत दिलाई और मेन इन ब्लू ने व्हाइट-बॉल फॉर्मेट में अच्छा प्रदर्शन किया है। एएनआई से बात करते हुए, पूर्व भारतीय क्रिकेटर हरभजन सिंह ने भारतीय क्रिकेट टीम के कोच बनने के साथ आने वाली जिम्मेदारियों पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि भारत में जब टीम अच्छा प्रदर्शन करती है,।

सैंटनर संभालेगे न्यूजीलैंड की कमान, 15 सदस्यीय टीम का हुआ ऐलान

आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप 2026 के लिए न्यूजीलैंड ने मिचेल सैंटनर की कप्तानी में 15 सदस्यीय टीम की घोषणा की है। इस टीम में अनुभवी और युवा खिलाड़ियों का मिश्रण है, हालांकि लॉकी फर्ग्यूसन और मैट हेनरी पितृत्व अवकाश के कारण कुछ मैचों से बाहर रह सकते हैं। न्यूजीलैंड क्रिकेट (एनजेडसी) ने मंगलवार को आगामी आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप 2026 के लिए अपनी 15 सदस्यीय टीम की घोषणा कर दी है। स्टार ऑलराउंडर मिशेल सैंटनर इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट में 15 सदस्यीय टीम की कप्तानी करेंगे। 33 वर्षीय सैंटनर ने 2015 में टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण किया था। तब से, स्पिन गेंदबाजी करने वाले यह ऑलराउंडर टी20 प्रारूप में न्यूजीलैंड टीम के महत्वपूर्ण सदस्य रहे हैं।टनर ने 122 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले हैं, जिनमें उन्होंने 22.89 की औसत से 130 विकेट लिए हैं, साथ ही तीन बार चार विकेट भी लिए हैं। बल्लेबाजी



में सैंटनर ने दो अर्धशतकों सहित 848 रन बनाए हैं। अनुभवी तेज गेंदबाज लॉकी फर्ग्यूसन और मैट हेनरी पितृत्व अवकाश के कारण टी20 विश्व कप के कुछ मैचों में नहीं खेल पाएंगे। ये दोनों खिलाड़ी टूर्नामेंट से पहले चोटों से उबर रहे न्यूजीलैंड के खिलाड़ियों के समूह में भी शामिल हैं।न्यूजीलैंड क्रिकेट (एनजेडसी) की एक विज्ञप्ति में ईएसपीएनक्रिकइंफो के हवाले से कहा गया है, ब्लूकि फर्ग्यूसन और हेनरी की पत्नियां टूर्नामेंट के दौरान बच्चे को जन्म देने वाली हैं इसलिए संभावना है कि उन्हें अल्पकालिक

पितृत्व अवकाश दिया जाएगा।दोनों खिलाड़ी पिंडली की चोट से उबर रहे हैं और उन्हें न्यूजीलैंड की 15 सदस्यीय टीम में फिन एलन (उंगलीब्रैमस्ट्रिंग), मार्क चौपमैन (टखना) और कप्तान सैंटनर (एक्वटर) के साथ शामिल किया गया है। फर्ग्यूसन ने नवंबर 2024 के बाद से न्यूजीलैंड के लिए कोई मैच नहीं खेला है।एडम मिल्ने, जिन्होंने आखिरी बार जुलाई में न्यूजीलैंड के लिए खेला था, और अनुभवी ऑलराउंडर जेम्स नीशम भी टी20 विश्व कप टीम का हिस्सा हैं। जेकब डफी

को भी विश्व कप के लिए पहली बार टीम में शामिल किया गया है। काइल जैमीसन को रिजर्व खिलाड़ी के रूप में रखा गया है। न्यूजीलैंड को ग्रुप डी में अफगानिस्तान, कनाडा, दक्षिण अफ्रीका और यूएई के साथ रखा गया है। न्यूजीलैंड अपना पहला टी20 विश्व कप 2026 मैच 8 फरवरी को चेन्नई में अफगानिस्तान के खिलाफ खेलेगा। 2026 टी20 विश्व कप से पहले, न्यूजीलैंड भारत में श्वेत गेंद की एक श्रृंखला खेलेगा। ब्लैक कैप्स, मेन इन ब्लू के खिलाफ तीन नए और पांच टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेलेंगे।2026 आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप के लिए न्यूजीलैंड की टीम मिचेल सैंटनर (कप्तान), फिन एलन, माइकल ब्रेसवेल, मार्क चौपमैन, डेवोन कॉनवे, जेकब डफी, लॉकी फर्ग्यूसन, मैट हेनरी, डैरिल मिशेल, एडम मिल्ने, जेम्स नीशम, ग्लेन फिलिप्स, रचिन रविंद्र, टिम सीफर्ट, ईश सोढ़ी।

टी 20 वर्डकप के लिए या तो भारत आओ, या फिर प्वाइंट गंवाने को तैयार रहो

इंडिया टुडे को बातचीत से जुड़े सूत्रों से पता चला है कि इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल ने बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड की ५20 वर्ल्ड कप मैच भारत से बाहर शिफ्ट करने की रिक्वेस्ट को ठुकरा दिया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल (५५) ने बांग्लादेश की उस रिक्वेस्ट को खारिज कर दिया है जिसमें उसने ५५ मेन्स ५20 वर्ल्ड कप 2026 के अपने मैच भारत से बाहर शिफ्ट करने की मांग की थी। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (टठक) ने रविवार (4 जनवरी) को एक रिलीज जारी की, जिसमें बोर्ड ने कहा कि उसने ५५ से रिक्वेस्ट को खारिज कर दिया है कि भारत में होने वाले इस शॉर्टस्टै-फॉर्मेट मेगा-इवेंट के ग्रुप ६ के मैच कहीं और शिफ्ट कर दिए जाएं। लेकिन मंगलवार रात (6 जनवरी) को म्हेन्सटपबपदवि की एक रिपोर्ट के अनुसार, ५५ ने टठ की रिक्वेस्ट को खारिज कर दिया है। यह फैसला दोनों बॉडीज के बीच एक वर्चुअल मीटिंग में बताया गया, जिसमें ५५ ने साफ कर दिया कि बांग्लादेश को टूर्नामेंट के लिए



भारत आना होगा, नहीं तो पॉइंट्स गंवाने का खतरा रहेगा। सूत्रों के मुताबिक, ५५ ने बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड को बताया कि उठाई गई चिंताओं के बावजूद टूर्नामेंट का शेड्यूल और वेन्यू अपरिवर्तित रहेंगे। समझा जाता है कि ग्लोबल बॉडी ने टठ से कहा कि भारत में मैच खेलने से मना करने पर खेल से जुड़े नतीजे होंगे जिसमेंपॉइंट्स गंवाने की संभावना भी शामिल है। हालांकि, टठ सूत्रों ने कहा है कि उन्हेंअमी तक रिजिश्नन की पुष्टि करने वाला कोई ऑफिशियल कम्युनिकेशन नहीं मिला है।यह टकराव भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड और टठ के बीच तनाव में तेजी से बढ़ोतरी के बाद हुआ है, जब बांग्लादेश के तेज गेंदबाज

मुस्तफिजुर रहमान को इंडियन प्रीमियर लीग से रिलीज कर दिया गया था। टठ ने कोलकाता नाइट राइडर्स से मुस्तफिजुर का कान्ट्रैक्ट खत्म करने के लिए कहा था, जिसका कारण चारों ओर के घटनाक्रम बताया गया था। यह कदम बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों के खिलाफ हिंसा की खबरों के बाद भारत में राजनीतिक विरोध के बीच उठाया गया था।मुस्तफिजुर की रिहाई के बाद, टठ ने स्थिति का जायजा लेने के लिए एक इमरजेंसी मीटिंग बुलाई और बाद में ५५ को लिखकर ५20 वर्ल्ड कप के लिए भारत आने पर अपने खिलाड़ियों की सुरक्षा और संरक्षा पर चिंता जताई। बांग्लादेश ने

पहले के उदाहरणों का भी हवाला दिया, जिसमें टठ के डायरेक्टर फारुक अहमद ने अपनी रिक्वेस्ट के समर्थन में हाइब्रिड मॉडल के तहत ५५ इवेंट्स में पाकिस्तान की भागीदारी का जिक्र किया।जैसे-जैसे स्थिति गंभीर होती गई, बांग्लादेश ने देश में आने वाले ५५ सीजन के प्रसारण पर बैन लगाकर और कदम उठाए। इंडिया टुडे से पिछले बात करते हुए, फारुक अहमद ने कहा था कि दोनों क्रिकेट बोर्ड के बीच संबंधों को खराब करने में राजनीति ने एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है, इस बात पर जोर देते हुए कि क्रिकेट से जुड़े मामले बड़े मुद्दों में उलझ गए हैं। इस बीच, मुस्तफिजुर तेजी से आगे बढ़ गए हैं, ५५ से बाहर होने के तुरंत बाद पाकिस्तान सुपर लीग में शामिल हो गए हैं। हालांकि ५५ का रुख वर्ल्ड कप शेड्यूल में आखिरी समय में बदलाव करने की कम इच्छा दिखाता है, लेकिन औपचारिक कम्युनिकेशन की कमी ने लगातार अनिश्चितता के लिए जगह छोड़ दी है, और टठ नेअमी तक सार्वजनिक रूप से अपने अगले कदम की पुष्टि नहीं की है।

एशेज में में स्टीव स्मिथ का 13वां शतक, ट्रेविस हेड की ऐतिहासिक सिडनी पारी

सिडनी टेस्ट में स्टीव स्मिथ ने अपना 13वां एशेज शतक लगाकर डॉन ब्रेडमैन के बाद दूसरा स्थान हासिल किया, साथ ही जैक हॉब्स को रनों के मामले में भी पीछे छोड़ दिया। इस ऐतिहासिक पारी से स्मिथ ने कुल टेस्ट शतकों में राहुल द्रविड को पछाड़ते हुए कई बड़े कीर्तिमान अपने नाम किए। स्टीव स्मिथ ने एशेज में अपना 13वां शतक पूरा करते ही एक बड़ा रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया। वह अब एशेज में सबसे ज्यादा शतक लगाने वाले बल्लेबाजों की सूची में दूसरे स्थान पर पहुँच गए हैं। इस सूची में उनसे आगे केवल सर डॉन ब्रेडमैन हैं, जिनके नाम 19 शतक दर्ज हैं। इससे पहले स्मिथ और जैक हॉब्स 12-12 शतकों के साथ संयुक्त रूप से दूसरे स्थान पर थे, लेकिन सिडनी में नाबाद 129 रन की पारी खेलकर स्मिथ ने यह बढ़त बना ली है।गौरतलब है कि इंग्लैंड के खिलाफ स्मिथ के अब कुल 13 शतक हो चुके हैं, जो किसी एक विपक्षी टीम के खिलाफ संयुक्त रूप से दूसरे सबसे ज्यादा हैं। इस मामले में भी ब्रेडमैन ही उनसे आगे हैं। वहीं, सुनील गावस्कर ने



वेस्टइंडीज के खिलाफ और जो रूट ने भारत के खिलाफ 13-13 शतक लगाए हैं।मौजूद जानकारी के अनुसार, एशेज में स्थित अब तक 3682 रन बना चुके हैं और वह इस प्रतिष्ठित सीरीज के दूसरे सबसे सफल रन-स्कोरर बन गए हैं। उन्होंने सिडनी टेस्ट के दौरान जैक हॉब्स के 3636 रनों के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ा। कुल मिलाकर इंग्लैंड के खिलाफ स्मिथ का रन-एग्रीगेट भी ब्रेडमैन के बाद दूसरा सर्वश्रेष्ठ है।यह भी उल्लेखनीय है कि सिडनी टेस्ट में यह स्मिथ का 37वां टेस्ट शतक रहा, जिससे उन्होंने राहुल द्रविड को पीछे छोड़ते हुए टेस्ट क्रिकेट में सबसे ज्यादा शतक लगाने

वाले बल्लेबाजों की सूची में छठा स्थान हासिल किया है। स्मिथ ने 219 पारियों में यह मुकाम छुआ, जो रिकी पॉटिंग और कुमार संगकारा के बाद तीसरा सबसे तेज आंकड़ा है।सिर्फ बल्लेबाजी ही नहीं, कप्तान के रूप में भी स्मिथ का रिकॉर्ड प्रभावशाली रहा है। टेस्ट क्रिकेट में कप्तान रहते हुए उनके नाम अब 18 शतक हैं और घरेलू टेस्ट में 11 शतक लगाकर वह इस मामले में रिकी पॉटिंग के बराबर पहुँच चुके हैं। सिडनी क्रिकेट ग्राउंड पर उनके नाम पांच टेस्ट शतक हैं और रन के लिहाज से वह यहाँ भी पॉटिंग के बाद दूसरे स्थान पर हैं।दूसरी ओर, ट्रेविस हेड के

लिए यह टेस्ट खास रहा है। उन्होंने सिडनी में अपना पहला टेस्ट शतक जमाया और इसके साथ ही ऑस्ट्रेलिया के उन चुनिंदा बल्लेबाजों में शामिल हो गए हैं जिन्होंने देश के सभी सात प्रमुख टेस्ट वेन्यू पर शतक लगाए हैं। इससे पहले यह उपलब्धि स्टीव वॉ, मैथ्यू हेडन, जस्टिन लैंगर और डेविड वॉर्नर के नाम रही है।गौरतलब है कि हेड के टेस्ट करियर के 12 शतकों में से सात स्कोर 150 से अधिक के रहे हैं। शुरुआती 12 शतकों में इतने 150 स्कोर लगाने वाले बल्लेबाजों की सूची में उनसे आगे सिर्फ ब्रेडमैन, जहीर अब्बास, वीरेन्द्र सहवाग और डेनिस एमिस हैं। हालांकि, हेड का सर्वोच्च टेस्ट स्कोर 175 ही है, जो सात या उससे अधिक 150 स्कोर बनाने वाले बल्लेबाजों में सबसे कम है। मौजूद आंकड़ों के अनुसार, हेड ने 152 गेंदों में 150 रन पूरे किए, जो एशेज इतिहास के सबसे तेज 150 में संयुक्त रूप से तीसरा स्थान है। सिडनी में यह दूसरा सबसे तेज 150 रहा है, जबकि सबसे तेज 150 का रिकॉर्ड 1898 में जो डार्लिंग के नाम दर्ज है।

सेसेक्स, निफ्टी में शुरुआती कारोबार में गिरावट

शेयर बाजार के आंकड़ों के मुताबिक, विदेशी संस्थागत निवेशक (एफआईआई) मंगलवार को बिकवाल रहे थे और उन्होंने शुद्ध रूप से 107.63 करोड़ रुपये के शेयर बेचे। भू-राजनीतिक तनाव के बीच संसेक्स और निफ्टी में गिरावट दर्ज की गई। विदेशी पूंजी की निरंतर निकासी से भी शुरुआती कारोबार में बाजारों में सुस्ती छाई रही।बीएसई सेसेक्स शुरुआती कारोबार में 169.84 अंक टूटकर 84,909.30 अंक पर जबकि एनएसई निफ्टी 42.35 अंक फिसलकर 26,128.90 अंक पर पहुँच गया। संसेक्स में शामिल 30 कंपनियों में से टाटा मोटर्स पेरफेक्टर व्हीकल्स, भारती एयरटेल, एचडीएफसी बैंक, बजाज फिनसर्व, बजाज फाइनेंस और मारुति के शेयर सबसे अधिक नुकसान में रहे।हालांकि टाइटन, इन्फोसिस, एचसीएल टेक, टेक महिंद्रा और रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयर में तेजी रही। एशियाई बाजारों में दक्षिण कोरिया का कोसों और चीन का एसएसई कम्पोजिट बढ़त में रहे जबकि जापान का निक्की 225 तथा हांगकांग का हेंग सेंग नुकसान में रहे।

सेसेक्स, निफ्टी में शुरुआती कारोबार में गिरावट

सेसेक्स, निफ्टी में शुरुआती कारोबार में गिरावट

सेसेक्स, निफ्टी में शुरुआती कारोबार में गिरावट

